5 करोड़ के गहनों से सजे खजराना गणेश

# लोक शक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जम्मू-कश्मीर में बाढ़: स्कूल-कॉलेज रहेंगे बंद, वैष्णो देवी भूस्खलन पीड़ितों के लिए मुआवजे का ऐलान

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 243 | रायपुर | गुरूवार 28 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25


### राष्ट्र हमारे बहादुरों को सलाम करता है : गृहमंत्री

# ऑपरेशन महादेव में शामिल जवानों को अमित शाह ने किया सम्मानित

नईदिल्ली,एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को ऑपरेशन महादेव के दौरान सुरक्षाकर्मियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के तीनों दोषियों को मार गिराया गया। शाह ने ङ्क पर पोस्ट किया कि राष्ट्र हमारे वीर जवानों को सलाम करता है। हमें अपने वीर सुरक्षाकर्मियों को सम्मानित करते हुए गर्व हो रहा है, जिन्होंने 'ऑपरेशन महादेव' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों का खात्मा किया।÷

28 जुलाई को एक संयुक्त अभियान में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिसे ऑपरेशन महादेव के नाम से जाना गया। यह अभियान भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा चलाया गया था, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया गया था, जिसमें 22 अप्रैल को 26 नागरिकों की जान चली गई थी। 29 जुलाई को, केंद्रीय गृह मंत्री ने पुष्टि की कि ऑपरेशन महादेव के दौरान सुरक्षा बलों ने नागरिकों की हत्या में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराया। शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही बहस के बीच लोकसभा में बोलते हुए यह बात कही और बताया कि पहलगाम आतंकी हमले में हमारे नागरिकों की हत्या करने वालों को मार गिराया गया है। शाह ने निचले सदन को संबोधित करते हुए कहा कि एक संयुक्त ऑपरेशन महादेव में, भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों को उनके परिवारों के सामने उनका धर्म पूछकर मार डाला गया। मैं इस बर्बर कृत्य की निंदा करता हूँ। मैं उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। ऑपरेशन महादेव से पहले, भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढाँचों को निशाना बनाया, जिसमें 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए।

## मंत्रिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के लिए बोली लगाने के लिए मंजूरी दी

पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेल (सीडब्ल्यूजी) 2030 के लिए बोली प्रस्तुत करने के लिए युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने सम्बंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटी के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता के लिए भी मंजूरी दे दी। राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों के एथलीट भाग लेंगे। खेलों के दौरान भारत आने वालों में बड़ी संख्या में एथलीट, कोच, तकनीकी अधिकारी, पर्यटक, मीडियाकर्मी और अन्य लोग भी शामिल होंगे। इससे स्थानीय व्यवसायों को लाभ होगा और राजस्व में वृद्धि होगी। अहमदाबाद विश्व स्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और एक जोशीली खेल संस्कृति वाला आदर्श मेज़बान शहर है।

## हरियाणा में केवल कानून की चलेगी हुकूमत : नायब सिंह

**चंडीगढ़-एजेंसी।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। इस नीति की घोषणा उन्होंने 18 अक्टूबर, 2024 को प्रथम मंत्रिमंडल बैठक के बाद ही कर दी थी। उस समय मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी थी कि अपराधी या तो अपने रास्ते बदल लें अन्यथा सरकार उन्हें सुधारने के लिए बाध्य करेगी। किसी भी व्यक्ति की सामाजिक हैसियत या प्रभावशाली पद के बावजूद, यदि वह कानून तोड़ेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। हरियाणा में कानून की सर्वोच्चता स्थापित होगी, अपराधी की हैसियत नहीं।

मुख्यमंत्री आज विधानसभा में विपक्ष द्वारा प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी स्पष्ट चेतावनी का ही परिणाम है कि आज हरियाणा में प्रमुख अपराधों की संख्या और दर दोनों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। वर्ष 2014 से पूर्व की स्थिति के विपरीत आज न तो नागरिक को एफआईआर दर्ज करवाने में कोई बाधा आती है और न ही पुलिसकर्मी को अपराधियों पर कार्रवाई करने से भयभीत होना पड़ता है। अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के कारण आज प्रदेश की जनता का हरियाणा पुलिस पर भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है। विपक्ष पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की तख्तियां लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल (2004-2014) में बलात्कार की घटनाएं तीन गुना बढ़ीं।

## धर्म से ही मिलेगी विश्व को शांति : भागवत

एजेंसी।

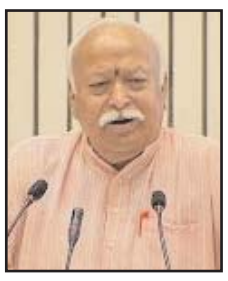

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि अगर सभी लोग केवल उपभोग के पीछे भागेंगे तो स्पर्धा बढ़ेगी और आपसी झगड़े होंगे. ऐसे में दुनिया नष्ट होने की स्थिति में पहुंच सकती है. उन्होंने कहा कि हमारी विचारधारा में सबका भला हो का भाव है. यही सोच समाज और विश्व को सही दिशा देती है. भागवत ने कहा कि धर्म सार्वभौमिक है. यह सृष्टि के आरम्भ से अस्तित्व में है. इसे मानो या न मानो, लेकिन यह धर्म ही है जो विश्व को शांति देता है. उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन देश है. इसके नागरिकों को ऐसा जीवन जीना चाहिए कि दूसरे देश के लोग जीवन का ज्ञान हासिल करने भारत आएं. यही भारत का असली योगदान है.

**धर्म व्यक्ति को संतुलन और मोक्ष की ओर ले जाता है**

उन्होंने धर्म की परिभाषा पर भी जोर दिया. भागवत ने कहा कि धर्म का अर्थ पूजा-पाठ नहीं है. धर्म वह मार्ग है, जो व्यक्ति को संतुलन और मोक्ष की ओर ले जाता है. उन्होंने कहा कि धर्म सर्वत्र जाना चाहिए, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि धर्म परिवर्तन कराया जाए. धर्म में conversion नहीं होता. धर्म संतुलन सिखाता है।

## भविष्य के युद्ध तकनीक और कूटनीति का मिश्रण होंगे : राजनाथ सिंह

इंदौर ,संवाददाता।

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के महू में स्थित आर्मी वार कॉलेज में युद्ध, युद्धकला और युद्ध संचालन पर दो दिवसीय विशेष रण संवाद-2025 त्रि-सेवा सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने युद्ध के बदलते पैटर्न पर बात की और बताया कि भविष्य के युद्ध तकनीक और कूटनीति का मिश्रण होंगे।

आर्मी वॉर कॉलेज, महू में आयोजित रण संवाद त्रि-सेवा सेमिनार कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ प्रसिद्ध रक्षा विशेषज्ञ, रक्षा उद्योग के प्रमुख और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पेशेवर शामिल हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के युद्ध केवल हथियारों

की लड़ाई नहीं होंगे, बल्कि तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का मिला-जुला रूप होंगे।

उन्होंने बताया, आज का युग जटिल और बहु-क्षेत्रीय युद्धों से परिभाषित है, जहां युद्ध की कोई निश्चित व्यवस्था या कठोर सिद्धांत नहीं है। यह अपनी तरह का पहला सेमिनार है, जिसमें युद्ध और युद्ध कौशल पर तकनीक के प्रभाव पर चर्चा हो रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत कभी युद्ध की शुरुआत करने वाला देश नहीं रहा और न ही उसने किसी के खिलाफ आक्रामकता दिखाई है। हालांकि, वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अगर कोई भारत को चुनौती देता है, तो देश को सख्त जवाब देना जरूरी हो जाता है। हमारी मंशा शांतिपूर्ण है, लेकिन हमारी ताकत कमजोर नहीं। रक्षा मंत्री ने तकनीकी प्रगति और रणनीतिक कूटनीति के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने सशस्त्र बलों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने की बात कही।

बता दें कि इस सेमिनार में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी मौजूद हैं। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ावा देना और भविष्य की चुनौतियों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है।

## बिहार में नीतिश के मंत्री श्रवण कुमार पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, किया हमला, जान बचाकर पैदल भागे, सुरक्षा कर्मी घायल

**पटना. एजेंसी।** बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधानसभा के विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ़प्रेम मुखिया पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया. इस हमले में एक सिपाही घायल हुआ है. जबकि मंत्री को पैदल भागना पड़ा है. इसके बाद भी ग्रामीणों ने उनका पीछा किया. हालांकि वो वहां से निकलने में कामयाब हो गए. पिछले दिनों पटना के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की हुई मौत हुई थी, जिसमें इस गांव के भी लोग थे. मंत्री श्रवण कुमार पीड़ित परिवार से आज बुधवार 27 अगस्त की सुबह मिलने हिलसा के मलावां गांव गए थे तभी उन पर नाराज़ ग्रामीणों ने हमला बोल दिया।

## गणेश उत्सव देश में आतंकी हमले का बड़ा अलर्ट, आरएसएस मुख्यालय और पंडाल निशाने पर

नई दिल्ली ,संवाददाता।

खुफिया एजेंसियों ने देश में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश किया है, जिसके तार सीधे तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (ISI) से जुड़ रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, आईएसआई ने नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के मुख्यालय समेत देश के अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले की साजिश रची है। इस नापाक मंसूबे को अंजाम देने के लिए जैश-ए-मोहम्मद (JeM), लश्कर-ए-तैयबा (LeT) और अल-कायदा (AQIS) जैसे आतंकी संगठनों को सक्रिय किया गया है।

खुफिया इनपुट के मुताबिक, आतंकियों का मुख्य उद्देश्य आगामी गणेश उत्सव जैसे बड़े त्योहारों के दौरान हमला कर आम जनता में दहशत और भय का माहौल पैदा करना है। जानकारी मिली है कि आतंकी तत्वों द्वारा देशभर में मंदिरों, भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों और विशेष रूप से गणपति पंडालों की रेकी की जा रही है। इस गंभीर खतरे को देखते हुए देश की सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

इस अलर्ट के बाद देश के सभी प्रमुख शहरों, खासकर मुंबई में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। गणेश उत्सव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अकेले मुंबई में 17,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। संवेदनशील इलाकों की निगरानी के लिए ड्रोन और हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ ही, बम निरोधक दस्तों और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (Quick Response Teams) को शहर के चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां किसी भी खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रख रही हैं।

**देश** | शतरंज हमारे युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है

## गोवा में फिडे विश्व कप 2025, पीएम मोदी बोले- भारत को मेजबानी पर बेहद खुशी है

नई दिल्ली

गोवा 30 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच फिडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शतरंज की वैश्विक नियामक संस्था ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुशी जाहिर करते हुए उम्मीद जताई है कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारत को प्रतिष्ठित फिडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने पर बेहद खुशी है, और वह भी दो दशकों से ज्यादा समय के बाद। शतरंज हमारे युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। मुझे यकीन है कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और दुनियाभर

के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

शुरुआत में नई दिल्ली को मेजबान स्थल माना जा रहा था, लेकिन लॉजिस्टिक संबंधी चिंताओं के कारण फैसला बदला गया और आखिरकार फिडे ने गोवा को आयोजन स्थल के रूप में चुना। कुल 206 प्रतिभागी गोवा में आठ राउंड के नॉकआउट मुकाबलों में भिड़ते हुए दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की प्राइज मनी जीतने की कोशिश करेंगे। यह टूर्नामेंट विन-ऑर-गो-होम फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसने लंबे समय से वर्ल्ड कप को खेल जगत का सबसे रोमांचक आयोजन बना दिया है।

शीर्ष 50 वरीय खिलाड़ियों को पहले दौर से छूट मिलेगी, जबकि शेष खिलाड़ी अपने अभियान की शुरुआत राउंड 1 से करेंगे। प्रत्येक मुकाबला दो क्लासिकल गेम्स पर आधारित होगा। अगर नतीजा नहीं निकलता, तो टाई-ब्रेकर के लिए रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे।

पुरस्कार राशि और खिताबों के अलावा, विश्व कप में बहुत कुछ दांव पर लगा है। शीर्ष तीन खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे, जो विश्व चैंपियनशिप के ताज के लिए दावेदार का निर्धारण करता है।

# भारत पर 50 प्रतिशत ट्रंप टैरिफ लागू, कई सेक्टर्स पर दिखेगा सबसे बड़ा असर

एजेंसी

**वाशिंगटन** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ का असर आज से लागू हो गया है। यह टैरिफ भारत द्वारा रूस से तेल और हथियार खरीदने के विरोध में लगाया गया है। इस फैसले के बाद भारत अब ब्राजील के साथ उन देशों की सूची में आ गया है, जिन पर अमेरिका ने सबसे ज्यादा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

यह टैरिफ दो चरणों में लागू किया गया है और यह भारत के लगभग दो-तिहाई वस्तु व्यापार को प्रभावित करेगा। इससे भारत के 12 प्रमुख निर्यात क्षेत्रों पर सीधा असर पड़ेगा। क्रिसिल रेटिंग्स ने इस टैरिफ को लेकर चेतावनी जारी की है। जुलाई में 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की गई थी, जिसके बाद अगस्त में एक और 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क की घोषणा की गई। अमेरिका का

कहना है कि यह फैसला भारत की रूस से बढ़ती तेल और हथियारों की खरीद के जवाब में लिया गया है।

भारत से अमेरिका को होने वाला करीब 48 अरब डॉलर का निर्यात अब इस टैरिफ की चपेट में आ गया है। इससे भारतीय निर्यातकों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों को अभी राहत दी गई है। फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे कुछ कैटेगरी के निर्यात पर फिलहाल टैरिफ लागू नहीं होगा। ये उत्पाद भारत के कुल निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा हैं। सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए 25,000 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन पर काम शुरू किया है। इसमें व्यापार वित्त, ऋण सुविधा, जीएसटी सुधार, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में बदलाव और वैश्विक बाजारों में 'ब्रांड इंडिया' को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी टैरिफ से इनकार किया है, लेकिन यह भी कहा है कि भारत अपने निर्यातकों और नौकरियों की सुरक्षा के लिए हर नीति, वित्तीय और कूटनीतिक उपाय अपनाएगा। भारत अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर तेजी से काम कर रहा है, ताकि अमेरिकी निर्भरता को कम किया जा सके।

### बड़े उत्पादन केन्द्र में निर्यात गिरेगा

तिरुपुर, नोएडा, सूरत, विशाखापत्तनम और जोधपुर जैसे उत्पादन केंद्रों पर इस टैरिफ का असर दिखने लगा है। क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार, कुछ उत्पादों की निर्यात मात्रा में 70 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है और इस वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत का निर्यात 43 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इस स्थिति का लाभ वियतनाम, बांग्लादेश, चीन, तुर्की, इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसे देशों को मिल सकता है, जिन पर अमेरिका का टैरिफ भारत की तुलना में कम है।

## डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान, पेंटागन का नाम बदलकर फिर होगा 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर

पीआईबी

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला ऐलान करते हुए कहा है कि वह पेंटागन का नाम 'रक्षा विभाग' से बदलकर उसका पुराना नाम 'युद्ध विभाग' करने जा रहे हैं। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिका को सिर्फ रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक होने की भी जरूरत है और यह नाम इसी सोच को दर्शाता है।

ओवल ऑफिस में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, जब हमने प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध जीता था, तब इसे युद्ध विभाग कहा जाता था, और मेरे लिए, यह वास्तव में यही है। उन्होंने आगे कहा, हर कोई यह पसंद करता हैज जब यह युद्ध विभाग था, तब हमारे पास जीत का एक अविश्वसनीय इतिहास था, फिर हमने इसे बदलकर रक्षा विभाग कर दिया। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह इस फैसले को जल्द ही अमल में लाएंगे। उन्होंने कहा, इस बदलाव की घोषणा अगले कुछ हफ्तों में की जा सकती है। इसमें कांग्रेस की मंजूरी भी नहीं चाहिए होगी और हम बस इसे करने जा रहे हैं।

इस दौरान रक्षा सचिव पीट हेगसेथ भी ट्रंप के साथ मौजूद थे। ट्रंप ने उनकी ओर इशारा करते हुए कहा, पीट, आपने 'रक्षा विभाग' कहकर शुरुआत की और मुझे यह अच्छा नहीं लगा। क्या हम सिर्फ रक्षा हैं? हम रक्षा क्यों हैं? इसलिए पहले इसे 'युद्ध विभाग' कहा जाता था और यह एक मजबूत नाम था।

ट्रंप ने उन आलोचकों को भी खारिज कर दिया जो इस बदलाव को महज प्रतीकात्मक मान सकते हैं।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

# प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकनीपाली एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र

**कोरबा।** कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए करतला विकासखण्ड के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) चिकनीपाली एवं कटघोरा विकासखंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र (एनक्यूएएस) प्राप्त हुआ है।

भारत सरकार राष्ट्रीय गुणवत्ता टीम के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) चिकनीपाली में दिनांक 30 एवं 31 जुलाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकनीपाली के 6 विभागों में दी रही सुविधाओं तथा उनके रखरखाव की गुणवत्ता का मानकों पर निरीक्षण किया गया जिसमें समस्त मानदंडों पर 87.93 प्रतिशत अंकों के साथ संस्था द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप घोषित कर प्रमाण पत्र दिया गया तथा कटघोरा विकासखंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर में दिनांक 15 जुलाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर के 7 अनिवार्य सेवा पेकेज में दी रही सुविधाओं तथा उनके रखरखाव की गुणवत्ता का मानकों पर वर्चुअल निरीक्षण किया गया जिसमें समस्त मानदंडों पर 86.86 प्रतिशत अंकों के साथ राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र दिया गया।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत, तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आयुष्मान आरोग्य मंदिर) चिकनीपाली तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर करतला एवं कटघोराध्विकासखण्ड की खण्ड चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकनीपाली, उप स्वास्थ्य केन्द्र छिन्दपुर के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों तथा जिला स्तरीय टीम को बधाई दी है। अग्रसेन पब्लिक स्कूल में 'सजग कोरबा' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कोरबा। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार जिले में चल रहे सजग कोरबा अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 25 अगस्त 2025 को अग्रसेन पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन महिला सहायता एवं परिवार परामर्श केंद्र कोरबा तथा थाना यातायात कोरबा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को गुड टच-बैड टच, ऑनलाइन शिकायत प्रक्रिया, पुलिस विभाग का अभिव्यक्ति ऐप, बच्चों से संबंधित कानूनी जानकारी, मार्शल आर्ट्स एवं यातायात नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री सियाराम बंजारे ने भी बच्चों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया।जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में थाना यातायात प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार यादव, उपनिरीक्षक मनोज राठौर, म.प्र.आर. 94 बेनेदिक्ता ग्लोरिया बेक, म.आर. 675 अनुसुईया भानु, म.आर. 193 बिंदेद्वरी साहू, म.आर. 810 अंजु, सुचिता पन्ना, आर. 726 ओमप्रकाश निर्मलकर एवं यातायात स्टाफ उपस्थित रहे।

## नहीं बुझेगी साठ साल पुराने इस विद्यालय में शिक्षा की ज्योति, रिक्त पद पर शिक्षक की हुई नियुक्ति

### युक्ति युक्तकरण से विद्यालय को मिला शिक्षक, विद्यार्थियों की पढ़ाई हुई आसान

**कोरबा ।** इस गाँव के पाठशाला की दीवारे बदल गई है। छत भी बदल गया है लेकिन पाली ब्लाक के अंतर्गत ग्राम परसदा का पाठशाला जिस जगह पर लगता था आज भी वही लगता है। बीते छह दशक से भी ज्यादा पुराने इस विद्यालय में शिक्षा की ज्योति अनवरत जल रही है। समय के साथ पदोन्नति के बाद विद्यालय में जब पद रिक्त हुए तो विद्यार्थियों के लिए बड़ी मुसीबत आन पड़ी थी, लेकिन छत्तीसगढ़ की सरकार ने विद्यार्थियों की भविष्य को बेहतर बनाने के लिए स्कूल खुलने से पहले युक्ति युक्तकरण की जो प्रक्रिया अपनाई उससे वर्षों से रिक्त पड़े पदों पर नियमित शिक्षको की नियुक्ति सम्भव हो पाई। पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम परसदा के प्राथमिक शाला की पहचान बहुत पुरानी है। वर्ष 1964 से संचालित इस गाँव के स्कूल में पढ़ाई कर बहुत से विद्यार्थियों ने अपना बेहतर भविष्य बनाया। समय के साथ विद्यालय के जर्जर भवन को संवारकर ठीक किया गया। विद्यालय में वर्षों से शिक्षक के पद खाली थे। जिससे यहाँ पढ़ाई करने वाले 46 विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पड़ती थी। इस सत्र में राज्य शासन द्वारा की गई युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया से विद्यालय को नियमित शिक्षक मिल गया है। यहाँ शिक्षक के रूप में श्री रूपेश कश्यप की नियुक्ति हुई है। कक्षा में विद्यार्थियों को पढ़ाई कराते हुए शिक्षक रूपेश कश्यप ने बताया कि वे युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया के बाद इस विद्यालय में पदस्थ हुए हैं और खुश भी है। उन्होंने बताया कि हमारे गाँव का यह विद्यालय बहुत पुराना है और यहाँ से पढ़ाई कर बहुत से लोग शिक्षित हुए।

# राजनीति में 90 प्रतिशत राज और सिर्फ10 प्रतिशत नीति बची है, सत्ता पाने के लिए लोग धर्म का उपयोग करते हैं : पंडित मेहता

**कोरबा ।** आज के भौतिकवादी युग में, जब अशांति और तनाव बढ़ रहा है, लोगों को शांति और संतुष्टि की तलाश है। धार्मिक कथा आज की आवश्यकता बन गई है, क्योंकि यह लोगों को शांति और संतुष्टि प्रदान करती है।

यह बातें सोमवार को विश्व विख्यात कथावाचक एवं जीवन प्रबंधन गुरू पंडित विजय शंकर मेहता ने कहीं। वे मातनहेलिया परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में प्रवचन देने कोरबा प्रवास पर पहुंचे हैं और आज उन्होंने कथा स्थल जश्न रिसोर्ट में पत्रकारों को संबोधित किया। इस अवसर पर मातनहेलिया परिवार के सदस्य राजबीर अग्रवाल ,राजकुमार अग्रवाल एवं भगवानदास अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पंडित विजय शंकर मेहता ने कहा जब-जब दुनिया में अशांति बढ़ी, शांति की खोज भी बढ़ी और लोगों का आध्यात्म की ओर रूझान बढ़ने लगा। धार्मिक कथा आज की आवश्यकता बन गई है। ज्यों-ज्यों भौतिक युग बढ़ रहा है, लोगों में अशांति बढ़ रही है और सभी शांति की खोज करने लगे हैं। संयुक्त परिवार टूटने का कारण भी यही है और लोग एकल परिवार की ओर बढ़ रहे हैं। यह हमारी भारतीय संस्कृति के खिलाफ है।

उन्होंने पत्रकारों के पूछे सवालों का सटिक जवाब दिया और श्रीमद् भागवत कथा एवं जीवन प्रबंधन के संबंध में पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब दिया। एक प्रश्न के उत्तर में पं. श्री मेहता ने कहा कि हमारी जीवन शैली में चार चीजों का प्रभाव पड़ता है। 25 प्रतिशत माता के 25 प्रतिशत पिता के, 25 प्रतिशत हमारे प्रारब्ध के एवं 25 प्रतिशत हमारी अपनी कर्मशीलता का प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने कहा आज हर स्तर पर नैतिक पतन हो रहा है, चाहे सिनेमा की बात करें या फिर राजनीति की। उन्होंने कहा कि वे दूसरी बार कोरबा प्रवास पर पहुंचे हैं। पहली बार वे एक हनुमान जी के कार्यक्रम में अल्प प्रवास पर आए थे। उन्होंने कहा कि वे छत्तीसगढ़ के आभारी हैं, यहां उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में काफी नाम कमाया और अब भगवत भक्ति में छत्तीसगढ़वासियों का अपार आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को काम के प्रति जब श्रद्धा हो तो खुशियां अपार मिलती हैं। मैंने 20 साल पत्रकारिता की और रायपुर भास्कर संस्करण का बतौर संपादक काम किया, तब भी खुश था और मैं अब हनुमान जी के भक्त के रूप में भी आनंदित हूं।

एक प्रश्न के जवाब में कहा कि राजनीति में 50 प्रतिशत राज हो और 50 प्रतिशत नीति हो तो संतुलन बना रहता है, लेकिन अब तो राजनीति में 90 प्रतिशत राज और सिर्फ10 प्रतिशत नीति बची है। उन्होंने कहा कि सत्ता पाने के लिए लोग धर्म का उपयोग करते हैं। राजनीति भी यही है। सदियों से राजनीति के नाम पर धर्म का लाभ लेते आ रहे हैं।

बढ़ते अपराध के मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पं. विजय शंकर मेहता ने कहा कि जिनका विचार देह पर टिका होता है, वे पाश्विक प्रवृत्ति के होते हैं और ऐसे लोग ही रिश्तों का खून करते हैं। यह सब आज की लाईफस्टाईल का नतीजा है। समाज में अपराध कम हों, इसके लिए हमें नई पीढ़ी के लालन पालन का तरीका बदलना होगा।

# झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही से आदिवासी युवक की मौत, समाज में आक्रोश

**गरियाबंद ।** कोतवाली थाना क्षेत्र के पेंड्रा गांव में झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही ने एक आदिवासी युवक की जान ले ली। मृतक पुरुषोत्तम ध्रुव (40 वर्ष) पाइल्स की समस्या से पीड़ित था और इलाज के लिए ओडिशा सीमा में रहने वाले दो फर्जी डॉक्टरों–बबलू टांडी और संजू राजपूत–से संपर्क किया था। इलाज के एवज में 30 हजार रुपये लिए गए थे।

20 अगस्त को दोनों आरोपी युवक पीड़ित के घर पहुंचे और तीन दिनों तक उसका इलाज करते रहे। अंतिम दिन मरीज की हालत बिगड़ गई, लेकिन आरोपी उसे अधमरा छोड़कर मौके से फरार हो गए। परिजनों को इलाज के दौरान कमरे में न जाने की सख्त हिदायत दी गई थी, जिससे किसी को स्थिति की गंभीरता का पता नहीं चल सका। जब मृतक की बेटी को शक हुआ और दरवाजा खोला गया, तो पुरुषोत्तम खून से लथपथ हालत में तड़पते हुए मिला। परिजन तत्काल उसे गरियाबंद जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश चौहान ने पुष्टि की कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पेरिएनल एरिया में गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत हुई। बताया गया है कि फर्जी डॉक्टरों ने गलत तरीके से चीरा लगाकर इलाज करने की कोशिश की थी। इस घटना को लेकर आदिवासी समाज में भारी आक्रोश है। समाज के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर दोषियों पर हत्या का मामला दर्ज करने और 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

# रायपुर में आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस आधारित कार्यशाला का सफल आयोजन

### कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की प्रतिभागियों की सराहना

**रायपुर ।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत, आज रायपुर में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक विशेष कार्यशाला एआई आधारित कार्यशाला ङ्क नवाचार की ओर एक कदम, एआई के संग का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला रायपुर कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेड क्रॉस सभा कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें प्रोजेक्ट उद्घोष टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था। आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस के माध्यम से सरकारी योजनाओं और कार्यों को अधिक प्रभावी व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने की तकनीकी जानकारी प्रदान करना। कार्यशाला में ढ़ विशेषज्ञ श्री नितेश सिन्हा एवं श्री सूरज यादव ने प्रतिभागियों को बताया कि वीडियो निर्माण के क्षेत्र में ढ़ का किस प्रकार नवाचारपूर्ण उपयोग कर प्रस्तुतिकरण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उदघोष टीम को संबोधित करते हुए

कहा ङ्कइस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी का उपयोग आगामी वीडियो निर्माण में अवश्य करें, जिससे शासन की योजनाएं जनमानस तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया और उनके उत्साह की सराहना की।

इस विशेष अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री हिमांशु भारती एवं नगर निगम रायपुर की उपायुक्त डॉ. अंजली शर्मा की उपस्थिति रही।

# कोरबा नगर निगम आयुक्त ने अपने अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कर जोन कार्यालयों को बनाया

**कोरबा।** नगर पालिक निगम कोरबा में सुशासन की मजबूती की ओर कदम बढ़ाते हुए अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कर निगम के सभी 07 जोन कार्यालयों को सशक्त, सक्षम व प्रभावी बनाया गया है, जोन कार्यालयों की प्रासांगिकता बढ़ी है, वहीं निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित विभिन्न विभागों के कार्यो में तेजी आई है व कार्यप्रक्रिया सरलीकृत एवं तीव्रगामी हुई है। इसका प्रमुख कारण है कि आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने एक ओर जहॉ अपने जोन स्तर के अधिकार जोन कमिश्नरों को विकेन्द्रित किया, वहीं दूसरी ओर निगम के विभिन्न विभागों के प्रभारी अधिकारियों को अपने निगम आयुक्त के अधिकार प्रत्यायोजित कर विभागों की कार्यप्रक्रिया में गति लाई है, इससे आमजन की समस्याओं के त्वरित निदान का मार्ग प्रशस्त हुआ है, उनकी मुश्किले आसान हुई हैं।

विगत 8-10 माह की अल्प समयावधि में नगर पालिक निगम कोरबा की कार्यप्रणाली में काफी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, एक ओर जहॉ निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित विभागों के कार्यो में गति आई है, वहीं दूसरी ओर अब जोन कार्यालय अधिक सशक्त होकर सक्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। निगम का मैदानी अमला भी रिचार्ज हुआ है तथा उसकी कार्यशैली बदली-बदली नजर आ रही है, मैदानी अमले में उत्साह का संचार हुआ है तथा वे ज्यादा ऊर्जा के साथ कार्य करते नजर आ रहे हैं, और इन सबके पीछे का कारण निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की विशिष्ट कार्यशैली को माना जा रहा हैं। अपनी सकारात्मकता व ऊर्जाशीलता की विशिष्ट पहचान रखने वाले आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सुशासन की मजबूती की ओर कदम बढ़ाते हुए अपने निगम आयुक्त के अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कर एक ओर जहॉ निगम के जोन कार्यालयों को सशक्त व सक्षम बनाया है, वहीं दूसरी ओर निगम के विभिन्न विभागों के अपने अधिकार संबंधित विभागों के प्रभारी अधिकारियों को प्रत्यायोजित किया है, इससे कार्य प्रक्रिया सरलीकृत हुई तथा विभागों के कार्यो में तेजी आई है, वहीं जनसमस्याओं के त्वरित निदान का मार्ग प्रशस्त हुआ, लोगों को जल्दी समाधन मिला व उनकी मुश्किलें आसान हुई हैं। निगम कार्यालय में फाईलों की दौड़ अब कम हुई है।

# गणेश चतुर्थी पर्व में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने पुलिस ने ली गुंडा बदमाशो की

बलौदाबाजार-भाटापारा। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने आगामी गणेश चतुर्थी पर्व में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु गुंडा बदमाशों, निगरानी बदमाशों की परेड लेकर सख्त हिदायत दी है।

पुलिस अधीक्षक श्रीमति भावना गुप्ता के निर्देशन में आगामी दिनों में आने वाले धार्मिक पर्व, त्योहार एवं गणेश चतुर्थी पर्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों तथा शांति व्यवस्था बाधित करने वाले अपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। साथ ही विजिबल पुलिसिंग के तहत प्रतिदिन पैदल एवं बाईक पेट्रोलिंग कर आमजनों के मध्य पुलिस की उपस्थिति लगातार दर्ज कराई जा रही है। इसी क्रम में

आज दिनांक 25.08.2025 को थाना सिटी कोतवाली, पलारी चौकी करहीबाजार क्षेत्र अंतर्गत निवासरत गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को थाना सिटी कोतवाली बुलाया गया। इस दौरान थाना सिटी कोतवाली में श्रीमती निधि नाग एसडीओपी बलौदाबाजार, निरीक्षक अजय झा थाना प्रभारी सिटी कोतवाली द्वारा सभी गुंडा बदमाशों एवं निगरानी बदमाशों को आगामी धार्मिक पर्व, त्योहारों एवं गणेश चतुर्थी पर्व के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा शासन के नियमों का पालन करने हेतु हिदायत दिया गया। इसके अतिरिक्त इन सभी गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को स्पष्ट रूप से समझाया गया कि किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर करवाई कार्यवाही की जाएगी।

# सीएम कैंप कार्यालय बगिया में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान 56 आवेदन प्राप्त, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

**जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्थापित सीएम कैंप कार्यालय बगिया अब आमजन के लिए उम्मीद और सहारा का केंद्र बन गया है।ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए यह कार्यालय वरदान साबित हो रहा है।सोमवार को मुख्यमंत्री निवास बगिया स्थित कैंप कार्यालय में कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याएँ और मांगें रखीं। ग्राम पंचायतों से आए लोगों ने मुख्य रूप से सामुदायिक भवन, रंगमंच निर्माण,राजस्व मामले,स्वास्थ्य सुविधाओं में सहयोग तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़े मामले को लेकर पहुंचे थे।ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन तक पहुँचाने में कठिनाई नहीं होती, क्योंकि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय

इसके लिए एक सुगम और सशक्त मंच बन गया है।सीएम कैंप कार्यालय की ओर से प्राप्त सभी आवेदनों पर गंभीरता से विचार किया गया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी भी मामले को लंबित न रखा जाए और आवेदकों को शीघ्र राहत प्रदान की जाए।गौरतलब है कि अब केवल जशपुर जिले के ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों से भी ग्रामीण अपनी समस्याएँ लेकर सीएम कैंप कार्यालय बगिया पहुँच रहे हैं। यहाँ उनकी बातें न सिर्फ सुनी जाती हैं, बल्कि वास्तविक समाधान भी खोजा जाता है।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि बगिया कैंप कार्यालय अब उनकी आशाओं का केंद्र बन चुका है, जहाँ हर समस्या का गंभीरता और प्राथमिकता से समाधान किया जाता है।

### चिड़ोरा की तारा बाई स्व सहायता समूह से बनी आत्मनिर्भर

**जशपुरनगर ।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप स्व सहायता समूह में महिलाओं को जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। जिले की महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत् समूह के रूप में विकसित करके रोजगामूलक कार्य के लिए विभिन्न प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने स्वयं की व्यवसाय कर रही है और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है।

इसी कड़ी में विकासखण्ड कांसाबेल के छोटे से ग्राम चिड़ोरा की रहने वाली है तारा बाई प्रज्ञा स्व सहायता समूह से जुड़ी कर आत्मनिर्भर बन गई है।

# रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, दो पहिए पटरी से उतरे, जांच जारी

**रायपुर।** रायपुर रेलवे स्टेशन के समीप एक मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतर जाने की घटना सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह हादसा उरकुरा से आरएसडी की ओर जाने वाली रेल लाइन पर हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और स्थिति का जायजा ले रहे हैं। हालांकि इस दुर्घटना में किसी तरह की जनहानि या बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। रेलवे प्रशासन ने ट्रैक की जांच शुरू कर दी है और तकनीकी टीम घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। फिलहाल एहतियातन प्रभावित रूट पर ट्रेनों की आवाजाही को रोका गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

रायपुर में प्रोजेक्ट दक्ष से अधिकारी बन रहे डिजिटली निपुण

0 प्रोजेक्ट दक्षः कर्मचारियों को मिल रहा टेक्नोलॉजी दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर, 26 अगस्त (आरएनएस)। प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत आज जिला कोषालय रायपुर, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर, कार्यपालन अभियंता, मजप डिसनेट संभाग क्र 03 तिल्दा नेवरा तथा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अधिकारी / कर्मचारी के कर्मचारी को प्रशिक्षण दिया गया।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल और जैसे उपयोगी टूल्स की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

# घूमंतु पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार के लिए व्यवस्था सुदृढ़ की जाए – पशुधन मंत्री रामविचार नेताम

**नवा रायपुर में विश्वस्तरीय फिश एक्वेरियम हाऊस बनाने पर विचार-विमर्श**

**क्लाइमेट के अनुसार पशु, मुर्गी, बकरी और सुकर पालन को दिया जाए बढ़ावा**

**हर जिले में दो-दो फिश प्रदर्शन तालाब बनाने के लिए निर्देश**

**मंत्री श्री नेताम ने पशुधन एवं मछलीपालन विभाग के काम-काज की समीक्षा की**

**रायपुर ।** पशुधन एवं मछलीपालन मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पशुधन एवं मछलीपालन विभाग मिलने के बाद यह मंत्री श्री नेताम की पहली बैठक है।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि गाय हमारी आध्यात्मिक मान्यता के साथ ही मानसिक संवेदनाओं से जुड़ी हुई है। स्टेट व नेशनल हाइवे पर घूमंतु पशुओं की दुर्घटनाएं देखने को मिलती है, जो पीड़ादायक होती है। उन्होंने कहा कि स्टेट व नेशनल हाइवे में घूमंतु पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायल पशुओं के उपचार की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के आसपास घटित होने वाली पशु दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए नगरीय निकायों के समन्वय से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किया जाना चाहिए।

मंत्री श्री नेताम ने मछलीपालन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न किस्मों की मछलियों का उत्पादन हो रहा है, इसमें बस्तर का झींगापालन भी शामिल है। उन्होंने मछलियों के उत्पादन में वृद्धि करने के साथ ही नवा रायपुर अटल नगर में विश्वस्तरीय फिश एक्वेरियम हाऊस बनाने के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसके लिए विभागीय अधिकारियों के दल को चंडीगढ़, गुजरात एवं अन्य राज्यों में अध्ययन के लिए भेजकर परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले में दो-दो फिश प्रदर्शन तालाब बनाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि हर क्षेत्र का क्लाइमेंट अलग-अलग होता है। क्लाइमेंट के अनुरूप पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरीपालन एवं सुकरपालन की गतिविधियां संचालित की जाए ताकि पशुपालकों को इसका बेहतर लाभ मिले। पशुपालकों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है उनके लिए चारा की व्यवस्था करना, पशुओं को हरी घास मिले इसके लिए योजना बनाई जाए। उन्होंने सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया और सूरजपुर जिले में स्लाइज उत्पादन पर भी जोर दिया। मंत्री श्री नेताम ने मत्स्य और पशुपालन किसानों को सहकारी समितियों से जोड़ने के निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को आय दोगुनी करने नवाचार के साथ ही तकनीकी उपयोग पर बल दिया है। छत्तीसगढ़ में भी मत्स्य पालक किसानों की आय को बढ़ाने के योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए। उन्होंने कहा कि केज कल्चर के जरिए मत्स्य पालन में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने नीलक्रांति योजना को बढ़ावा देने के साथ ही फिनफिश हैचरीज की स्थापना, मत्स्य बीज उत्पादन, नवीन तालाबों का निर्माण एवं मछली पालन, केज कल्चर, पंगेसियस हैचरी, तेलपिया कल्चर को बढ़ावा देने तथा राज्य तथा केन्द्र की योजनाओं का लाभ मत्स्य किसानों को पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में मछुआ समितियों को प्राथमिकता के तौर पर मछलीपालन के व्यवसाय से जोड़ने पर बल दिया। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार, पशुधन विभाग के संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा, मछलीपालन विभाग के संचालक श्री नारायण सिंह नाग सहित इन विभागों के वरिष्ट अधिकारी उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी जापान यात्रा से और मजबूत होंगे भारत-जापान संबंध : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी यात्रा और ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में छत्तीसगढ़ की सहभागिता पर कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत जल्द जापान आ रहे हैं। भारत और जापान की मित्रता ऐतिहासिक और गहरी है। उनके इस दौरे से यह संबंध और भी मजबूत होंगे और हमारे देश को अनेक लाभ प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की यात्रा भारत और जापान के बीच तकनीकी, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को और प्रगाढ़ बनाएगी। इससे दोनों देशों की जनता को लाभ होगा और साझा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो 2025 के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कल हमने छत्तीसगढ़ को समर्पित सप्ताह का शुभारंभ किया है। यह वर्ल्ड एक्सपो भारत की संस्कृति को विश्व के सामने प्रस्तुत करने का एक बड़ा प्रयास है। छत्तीसगढ़ का सप्ताह न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और औद्योगिक प्रगति को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। इससे निवेश और सहयोग के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जापान यात्रा और ओसाका एक्सपो में छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी प्रदेश और देश दोनों के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी।

## शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी रायपुर में कैरियर मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

**रायपुर।** शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढियारी रायपुर में विशेष रोजगार कार्यालय द्वारा छ.ग. लोक सेवा आयोग, उच्च शिक्षा, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा कि तैयारी हेतु मार्गदर्शन कार्यक्रम दिनांक 21.08.2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रातः 10:00 बजे किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी एवं शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के 152 विद्यार्थी कार्यकम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने हेतु मुख्य वक्ता डॉ. (श्रीमती) शशीकला अतुलकर, विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर एवं श्री.ओम प्रकाश साहू, प्रोफेसर (शंकराचार्य महाविद्यालय रायपुर) उपस्थित थे। उपसंचालक डॉ. अतुलकर द्वारा कोशिश के महत्व तथा लॉ आफ अट्रैक्शन के माध्यम से अपने सपनो को साकार करने के सूत्र विद्यार्थियों को बताए। उन्होंने कहा कि साकारात्मक सोच निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। डॉ. ओमप्रकाश साहू प्रोफेसर ने अविष्कार की प्रक्रिया तथा विशिष्ट कौशल विकास पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें निखारने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मुधुलिका अग्रवाल ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनो से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा क्षमता का विकास होता है।

# मेडिकल छात्रा के यौन उत्पीड़न के मामले में प्रोफेसर को सुप्रीम कोर्ट से झटका

**रायपुर एजेंसी। ।** पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज, रायपुर के प्रोफेसर डॉ. आशीष सिन्हा को एक मेडिकल छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. सिन्हा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने और गिरफ्तारी से बचाने की मांग की थी।

इससे पहले, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी डॉ. सिन्हा की याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा ने अपने फैसले में कहा था कि आरोपी पर लगे आरोप गंभीर और संवेदनशील हैं, जो कार्यस्थल पर एक महिला की गरिमा और शारीरिक अखंडता से जुड़े हैं। अदालत ने यह भी पाया कि एफआईआर दर्ज करने में कोई देरी नहीं हुई है और न ही यह किसी दुर्भावना से प्रेरित लगती है।

पूरा मामला

यह पूरा मामला पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज, रायपुर के कम्युनिटी डिपार्टमेंट का है, जहाँ के प्रोफेसर डॉ. आशीष सिन्हा पर उसी विभाग की एक द्वितीय वर्ष की छात्रा ने यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। छात्रा के मुताबिक, डॉ. सिन्हा उसे बार-बार अपने केबिन में बुलाकर शारीरिक छेड़छाड़ करते थे। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे इंटरनल एग्जाम में फेल करने की धमकी दी गई। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि डॉ. सिन्हा ने डिजिटल माध्यमों से भी उसे आपत्तिजनक संदेश भेजे।

यह उत्पीड़न करीब एक साल से चल रहा था। छात्रा ने जनवरी 2025 में डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन (डीएमई) से लिखित शिकायत की थी, लेकिन तब जांच में डॉ. सिन्हा को क्लीन चिट दे दी गई। इसके बाद छात्रा ने कॉलेज की विशाखा कमेटी में शिकायत दर्ज कराई। कमेटी की जांच में आरोपों को गंभीर पाया गया, जिसके बाद डॉ. सिन्हा को एचओडी के पद से हटा दिया गया। हालाँकि, इसके बावजूद उनकी हरकतें जारी रहीं। लगातार परेशान होने के बाद छात्रा ने मौदहापारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

## कलेक्टर ने भेजी जन्मदिन बधाई संदेश, प्रोत्साहित किया बच्चों संग जश्न मनाने को

**रायपुर,** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना तथा न्योता भोज के तहत जिला प्रशासन की अभिनव पहल प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत जिला रायपुर में विभिन विभाग में कार्यरत शासकीय अधिकरियों एवं कर्मचारियों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी जा रही है एवं जन्मदिन आंगनबाड़ी या स्कूल में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्थल सहायक श्री अश्वनी कुमार साहू, लेक्चरर श्री प्रमोद कुमार साहू ने बच्चों के साथ केक काटकर और पौष्टिक आहार के साथ अपना जन्मदिन मनाया। प्रोजेक्ट के तहत कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने 53 कर्मचारियों को एसएमएस द्वारा ई-कार्ड के माध्यम से जन्मदिन की पूर्व संध्या बधाई संदेश भेजा एवं नजदीकी आंगनबाड़ी अथवा स्कूल की जानकारी दी गई।

# गणेश प्रतिमाओं को बाजे-गाजे के साथ ले जा रहे है भक्त, यातायात प्रभावित

## अमीनपारा, पुरानी बस्ती, सत्ती बाजार में लग रहा लंबा जाम, महापौर के फरमान का नहीं हो रहा पालन

**रायपुर ।** राजधानी में गणेश उत्सव की धूम है लेकिन आमापारा सदर बाजार, शक्तिबाजार, पुरानी बस्ती, अमिन पारा में गणेश प्रतिमाओं को लेकर जाने के लिए श्रद्धालु डीजे लेकर निकल रहे है जिसके चलते लंबा यातायात जाम लग रहा है। राजधानी में 26 अगस्त से गणेश चतुर्थी के पावन पर्व गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की हुई है। राजधानी के रामकुंड, आमापारा, शक्तिबाजार, सदर बाजार, गोल बाजार, अमिनपारा में गणेश प्रतिमाओं का आकर्षक बाजाार लगा हुआ है इसके लिए पंडरी में भी गणेश प्रतिमाओं के अलावा तीजा के लिए फूलेरा सहित अन्य पूजन सामाग्रियों की बिक्री के लिए बाजार सजे हुए है। इस समय डीजे प्रतिबंधित है लेकिन इसके बावजूद भी लोग नागपुर एवं अन्य राज्य से आकर्षक डीजे मंगा रहे है। नियमानुसार दस बजे तक डीजे बजाया जा सकता है।

स्थानों से आ रही आकर्षक गणेश प्रतिमाएं - इन दिनों माना दुर्ग के अंजोरा थनौद से आकर्षक गणेश प्रतिमाएं भक्त लेकर आ रहे है। बड़ी तथा आकर्षक प्रतिमाएं लाई जा रही है। इसके अलावा रामकुंड में भी आकर्षक प्रतिमाएं बनाई जा रही है। राजधानी के रायपुरा क्षेत्र के मूर्तिकार शिवचरण यादव द्वारा आकर्षक प्रतिमाएं बनाई जा रही है। 15 किलो सुपारी से प्रतिमाएं बनाई गई है। राजधानी में इस समय इंकोफ्रेंडली तथा मिट्टी से निर्मित प्रतिमाएं बड़ी संख्या में बिक रही है।

**आकर्षक झांकियां बनेगी आकर्षण का केंद्र बिंदू**

राजधानी में इस समय गुढ़ियारी में आकर्षक झांकियां बन रही है। यहां पर शिव पर आधारित आकर्षक झांकी बन रही है। इसके अलावा पुरानी बस्ती में भारी भरकम प्रतिमाएं बिठाई जाएगी। गोल बाजार ब्राम्हण पारा, अमिनपारा, लाखेनगर तथा सुंदर नगर में भी आकर्षक प्रतिमाएं तथ झांकियां बनाई जा रही है। कल से गणपति बप्पा की धूम रहेगी।

## राजस्व अधिकारियों को कर मूल्यांकन करने का निर्देश दिया आयुक्त ने

रायपुर । नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्री महादेव रक्सेल, सहायक अभियंता श्री अमन चंद्राकर, उप अभियंता श्री लोचन चौहान, राजस्व निरीक्षक श्री राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक श्री चंदन रगड़े, श्री खगेश्वर सोनी, श्री रामकुमार औसर की उपस्थिति में जोन 8 अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के अंतर्गत रिंग रोड रायपुरा क्षेत्र में नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग की टीम द्वारा करों का मूल्यांकन करने व्यवसायिक परिसरों में चलाये गए अभियान का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया. नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने नियमानुसार करारोपण की कार्यवाही करने हेतु व्यवसायिक परिसरों के भू स्वामियों को नोटिस देकर स्वीकृत नक्शे की जानकारी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को तत्काल देने कहा है. अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार एकतरफा करारोपण की कार्यवाही नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा की जाएगी।

# बीएड डीएलएड, बीए बीएड, बीएससी बीएड में ऑनलाइन आबंटन की प्रक्रिया 29 से

रायपुर। राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा बीएड डीएड बीएससी बीएड पाठ्यक्रम में 2025 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आबंटन कार्यक्रम घोषित कर दिये गये है। इसके तहत राज्य के डाइट में प्रशिक्षार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। एससीईआरटी के संचालक ऋतुराज रघुवंशी द्वारा जारी निर्देशानुसार आबंटन कार्यक्रम तथा दिशा निर्देश की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके तहत पंजीयन एवं ऑनलाइन विकल्प फार्म भरने की तिथि 29 अगस्त से लेकर 4 सितंबर तक, प्रथम चरण के लिए प्रथम सूची जारी करना तथा दावा आपत्ति 9 सितंबर से लेकर 10 सितंबर तक, प्रथम चरण की सूची में आबंटित अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 11 सितंबर से लेकर 15 सितंबर तक रिक्त सीटों की जानकारी 16 सितंबर तक जारी की जाएगी।

संचालक द्वारा जारी आदेशानुसार प्रथम चरण की सूची में आबंटित अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथी 11 सितंबर से लेकर 15 सितंबर रिक्त सीटों की जानकारी 16 सितंबर प्रथम चरण की द्वितीय सूची दावा आपत्ति के लिए 17 सितंबर एवं द्वितीय सूची के लिए दावा आपत्ति 19 सितंबर तक प्रथम चरण और द्वितीय चरण में अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 18 सितंबर से लेकर 22 सितंबर तक रिक्त सीटों की जानकारी 23 सितंबर तक की जा सकेगी। प्रथम चरण की दावा सूची के आपत्ति के पश्चात तृतीय सूची 25 सितंबर को जारी की जाएगी। तीसरे सूची के आबंटित अभ्यर्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश 25 से 29 सितंबर तक लेना होगा। रिक्त सीटों की जानकीर 30 सितंबर तक देना होगा।

संचालक द्वारा दी गई जानकारी द्वारा तीसरी सूची के पश्चात द्वितीय चरण प्रारंभ होगा। द्वितीय चरण के लिए पंजीयन आन लाइन एक अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक द्वितीय चरण की सूची दावा आपत्ति 9 अक्टूबर से लेकर 10 अक्टूबर तक प्रथम सूची द्वितीय चरण के लिए 13 अक्टूबर को तथा आबंटित अभ्यर्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश के लिए 13 अक्टूबर को प्रवेश करना होगा। रिक्त सीटों की जानकारी 23 अक्टूबर को जारी की जाएगी। संचालक द्वारा जानकारी के अनुसार इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थी राज्य के शासकीय डाइट बीटआई तथा निजी शिक्षा महाविद्यालय में संचालित डीएल पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दिया जाए। परीक्षा प्रवेश हेतु उत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित वेबसाइट में पूरी जानकारी ले सकते हैं। द्वितीय चरण की सूची 24 अक्टूबर को तथा द्वितीय चरण दूसरी सूची महाविद्यालय में 24 अक्टूबर तक जारी की जाएगी। तीसरी सूची 31 अक्टूबर को तथा तीसरी सूची के आबंटित अभ्यर्थी महाविद्यालयों में 31 अक्टूबर तक प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। संचालक के अनुसार अंतिम तिथि के पश्चात शाम 5.30 बजे महाविद्यालय द्वारा प्रवेश की आनलाइन अपडेट करने की प्रकिया बंद हो जाएगी। अभ्यर्थियों को दावा आपत्ति निर्धारित वेबसाइट में आवश्यक दस्तावेज आवेदन भेजकर कर सकते हैं।

## रायपुर की पहली महिला विधायक रजनी ताई उपासने का निधन

**अस्पताल में चल रहा था इलाज, देर शाम हुआ निधन; सीएम साय ने दी श्रद्धांजलि**

**दैनिक लोकशक्ति परिवार ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की**

लोकशक्ति। रायपुर।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से दुखद खबर सामने आई है। रायपुर की पहली महिला विधायक रजनी ताई उपासने का 93 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन से रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। दैनिक लोकशक्ति ने भी निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

**1977 में रचा था इतिहास** – रजनी ताई उपासने ने 1977 के विधानसभा चुनाव में जनता पार्टी के टिकट पर जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। उस समय उन्होंने कांग्रेस की शारदा चरण तिवारी को मात देकर रायपुर सीट अपने नाम की थी। इस जीत के साथ ही वे रायपुर शहर की पहली महिला विधायक बनीं। राजनीति में आने से पहले से ही वे जनसंघ से जुड़ी सक्रिय कार्यकर्ता रहीं और कई आंदोलनों में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

**रायपुर की थीं एकलौती महिला विधायक** रायपुर जैसे शहर में लोकतांत्रिक इतिहास में अब तक सिर्फ एक ही बार महिला विधायक मिलीं और वह थीं रजनी ताई उपासने। 46 साल की उम्र में विधायक बनने वाली रजनी ताई ने अपनी सादगी और समर्पण से राजनीति में अलग पहचान बनाई थी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

## मोदी सरकार आम जनता को देती राहत

आम जनता को अपने रोज के खर्चों के लिये जो परेशानी उठानी पड़ रही है उसको समझते हुए मोदी सरकार का फैसला सराहनीय है । बारह फीसदी वाली चीजों को 18 प्रतिशत में ले जाया गया, तो उससे और नुकसान होगा। 28 फीसदी की दर विलासिता की चीजों पर है, जिसके घटने से समृद्ध तबकों को लाभ होगा। 12 फीसदी वाली चीजें आम जन से जुड़ी हुई हैं। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के 103 मिनट के भाषण में व्यावहारिक महत्त्व की घोषणा यह थी कि अगली दिवाली से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का नया रूप सामने आएगा। उसके बाद सरकारी अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि अब इस कर व्यवस्था में चार के बजाय दो दरें ही होंगी। संभवतः 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को खत्म कर दिया जाएगा। उन श्रेणियों में आने वाली वस्तुओं को पांच और 18 फीसदी की दरों में समाहित किया जाएगा।

## आशिक़ी तुझ से शुरू वहीं खतम ।

आ तुझे प्यारा सा एक नाम दूँ ,
उजाले दिन को हसीन शाम दूँ।

पैगाम है तेरे नाम न जाने कितने ,
इश्क में तेरे उन्हें रंगीन अंजाम दूँ।।

हकीकत बड़ी कठोर बेरहम ,
मौशिकी का तुझे इक जाम दूँ।।

आज मिले फिर जुदा भी होंगे
आके विदाई तुझे खुले-आम दूँ।

अपने इश्क को यूं अमर करें हम,
तुझे अमृत का इक-इक जाम दूं।

आशिक़ी तुझ से शुरू वहीं खतम ।
तू बता संजीव इसे क्या नाम दूं।

- संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

# शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा ÷सेवा और संस्कार÷ के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निर्माता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। **यह निजी विचार है।**

# भारत,रूस,चीन बनाम अमेरिका और यूरोपियन देश।

### (ट्रम्प के रुख से चीन-भारत करीब आये)

अमेरिका में 60वें राष्ट्रपति चुनाव के बाद चुनाव से अमेरिका में 47 वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा 50 वें उपराष्ट्रपति जे डी वेन्स चुने गए। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के पूर्व घोषणा की थी कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वे रूस यूक्रेन युद्ध और इसराइल हमास युद्ध को तत्काल रुकवाएंगे और वैश्विक आर्थिक तथा सामरिक शांति का प्रादुर्भाव करेंगे। अमेरिका एक शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी नीतियां,राजनीति एवं कूटनीति पूरी दुनिया के देशों को प्रभावित करती है। वह राजनीतिक सामरिक अथवा व्यापारिक लेनदेन के समझौते या युद्ध में मदद की बात को लेकर अमेरिका का दखल लगभग सभी मसलों में एक जैसा रहता है। यह अलग मुद्दा है कि पश्चिम एशिया,चीन, रूस एवं नॉर्थ कोरिया जैसे देश अमेरिका के धुर विरोधी रहे हैं। चीन और रूस के सामरिक,व्यापारिक और एटॉमिक मसलों पर अमेरिका से टकराते रहे हैं। यह गौर किए जाने वाली बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ही अमेरिका सहित अन्य कई देशों के दिशा-निर्देश तय करते थे, पर राष्ट्रपति चुने के जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणाओं के उलट ना तो वे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवा पाए हैं बल्कि ईरान पर बड़े हवाई जहाज हमले से एक नया विवाद खड़ा कर दिया था ले देकर ईरान इजरायल युद्ध रुकवा पाए हैं। दूसरी तरफ नए आयात टैरिफ लगाकर पूरे वैश्विक देश में बेचैनी तथा खलबली मचा दी है। वैश्विक आर्थिक सलाहकार और विशेषज्ञ किस डोनाल्ड ट्रंप की सनक ही बता रहे हैं। और उनके आयत टैरिफ को बहुत ही अपरिपक्व निर्णय की संज्ञा दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय देश तथा अन्य पश्चिमी देशों में आयात शुल्क पर काफी दरियादिली दिखाई है और यही वजह है कि नाटो तथा अन्य यूरोपीय देश अमेरिका का अभी भी समर्थन कर रहे हैं।

अमेरिका के चुनाव के नतीजे से भारत के रिश्तों में काफी परिवर्तन हुआ है, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं डोनाल्ड ट्रंप के संबंध निजी तौर पर काफी प्रगाढ़ रहे थे जो। डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता के खिलाफ रहे पर अब पाकिस्तान पर उनकी मेहरबानियां काफी बढ़ गई है। उन्होंने पाकिस्तान सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच में बुलाकर पाकिस्तान के प्याले में तूफान लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की निराश उम्मीद पर पंख लग गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतकर चीन पर भी नियंत्रण रखने का प्रयास किया है । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन रूस यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल लिए जाने पर खासा नाराज हुए थे। भारत पर काफी दबाव भी डाला गया पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि रूस भारत का परंपरागत मित्र होने की वजह से और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध रूस ने भारत की एक तरफा मदद भी की थी। ऐसे में भारत स्पष्ट रूप से रूस के साथ सामरिक-आर्थिक मामलों में खड़ा हुआ है।

आज की ताजा परिस्थिति का आंकलन करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती उनके चुनाव के परम सहयोगी टेस्ला के मालिक से पूरी तरह टूट चुकी है, दूसरी तरफ भारत तथा चीन ब्राज़ील व अन्य राज्यों पर भारी आयात शुल्क लगाने पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी नीति खुलकर सामने आ गई है अमेरिका ने पाकिस्तान जैसे महत्वहीन और फक्कीर देश को अपना नया शागिर्द बना लिया है। ट्रंप और पुतिन की रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता पूर्ण रूप से विफल रही, पुतिन ने अपनी शर्तें डोनाल्ड ट्रंप को साफतौर पर बता कर कह दिया कि यूक्रेन को नाटो की किसी भी परिस्थिति में सदस्यता ना दी जाए। उधर यूक्रेन ने भी अमेरिका से बातचीत के बाद उसका रूस के साथ युद्ध विराम वाले आदेश को मानने से साफइनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस द्वारा भारत को कम कीमत पर कच्चे तेल निर्यात किए जाने से कुपित होकर भारत पर 25 से लेकर 50त्न तक आयात शुल्क लागू किया है। भारत ने इस अमेरिकी रुख पर अडिग होकर भारतीय व्यापार तथा नागरिकों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। और अमेरिका का वैकल्पिक बाजार तलाशने के तारतम्य में रूस के साथ दोस्ती को और मजबूत कर चीन के साथ भी दोस्ताना हाथ बढ़ाया है। विदेश मंत्री जयशंकर और एनआईए प्रमुख अजीत डोभाल की चीन की यात्रा उसके तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की है, जिससे भारत चीन व्यापारिक तथा कूटनीतिक संबंधों तेजी और थोड़ी प्रगाढ़ता आई है। भारतीय प्रधानमंत्री भारत और चीन के नए संबंधों के समीकरणों को मजबूत करने के लिए चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले हैं। भारत और चीन के आपसी संबंध मधुर होते ही रूस ने इसका स्वागत किया है। अब भारत रूस चीन तथा ब्राजील एक नए धरातल पर खड़े नजर आ रहे हैं। भारत रूस चीन की त्रिकोणीय जोड़ी विश्व में अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के विरुद्ध एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरती दिखाई दे रही है। यह अलग अलग बात है कि चीन भी अमेरिका से कम धोखेबाज नहीं है भारत का चीन के साथ पुराने अनुभव बहुत मधुर नहीं रहै हैं। किंतु बदली हुई परिस्थितियों में डोनाल्ड ट्रंप के इस आर्थिक तथा टैरिफयुद्ध के कारण भारत और चीन काफी नजदीक आ गए हैं। चीन के राष्ट्रपति श्री जिनपिंग ने भारत की मित्रता के लिए अपने रुख को स्पष्ट कर दिया है और अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50त्न टैरिफ का खुलकर विरोध भी किया है। इसके अलावा रूस ने डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में अपनी बातचीत के दौरान भारत का पक्ष लेकर डोनाल्ड ट्रंप को आडे हाथों में भी लिया था और यही वजह है कि भारत रूस और चीन अब एक प्लेटफार्म पर खड़े होकर डोनाल्ड ट्रंप तथा यूरोपीय देशों के लिए चुनौती बने के लिए अग्रसर है। इस नए घटनाक्रम के नतीजतन डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय देशों खासकर नाटो देश में काफी खलबली तथा बेचैनी नजर आ रही है। अब निश्चित तौर पर भविष्य ही तय करेगा की भारत की यह नई मित्रता डोनाल्ड ट्रंप के विरुद्ध कितनी कारगर साबित होगी।

संजीव ठाकुर, वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक

## बिहार चुनाव में फिर पक्की दारू-पक्का वोट की गूंज

अजय कुमार,

बिहार विधान सभा चुनाव की आहट जैसे-जैसे तेज होती जा रही है, वैसे-वैसे यूपी से बिहार के लिये अवैध शराब की तस्करी भी बढ़ने लगी है। इसी के साथ पक्की दारू पक्का वोट की पुरानी कहावत एक बार फिर बिहार में सुनाई देने लगी है। दरअसल, राज्य में लागू शराबबंदी के बावजूद शराब के प्रति लोगों की ललक और नेताओं की सियासी जरूरत दोनों ही शराब तस्करी को बढ़ावा देते हैं। खासकर चुनाव के वक्त, जब वोटों को साधने के लिए दारू एक बड़ा हथियार बन जाती है, तब तस्करी नेटवर्क और ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। इसी लिये उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल जैसी राज्यों से शराब की खेप बिहार पहुंचाई जाती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान यूपी का है। इस बार तो चुनावी मौसम की तैयारी में तस्करी नेटवर्क कुछ और ज्यादा रणनीतिक हो गया है। चंदौली, वाराणसी, बलिया, गाजीपुर, देवरिया, सोनभद्र, कुशीनगर समेत यूपी के सीमावर्ती जिलों से हर रोज शराब की खेप चोरी-छिपे बिहार पहुंच रही है। पुलिस की सख्ती और चेकिंग के बावजूद तस्कर नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में चंदौली पुलिस ने ट्रक की तलाशी में व्हाइट सीमेंट की बोरियों के पीछे छुपाकर रखी 720 पेटियां विदेशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत 1.12 करोड़ रुपए थी। यह खेप पंजाब से तस्करी कर बिहार भेजी जा रही थी और चुनावी तैयारियों के लिहाज से इसे बांटा जाने वाला था।

तस्करों के नेटवर्क का विस्तार यूपी के ग्रामीण इलाकों से लेकर बड़े शहरों तक फैला हुआ है। वे अक्सर रेलवे लाइन, हाईवे और नदी तंत्र का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट आसान हो जाता है। हाल के महीनों में कोपागंज पुलिस और एसओजी टीम ने मऊ में 9 लाख की शराब जब्त की। वहीं, प्रतापगढ़-मथुरा के रास्ते हरियाणा से भी अवैध शराब बिहार भेजी जा रही थी, जिसमें लाखों की खेप पकड़ी गई। यूपी और बिहार की सीमाएँ लगभग 1,060 किलोमीटर लंबी हैं, जिसकी निगरानी बड़ी चुनौती है। यही वजह है मद्य निषेध इकाई को चुनावी सीजन में सक्रियता बढ़ानी पड़ गई है। जिसके चलते शराब की तस्करी के मामले तो पकड़े जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी मात्रा में शराब बिहार पहुंच रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से मई 2025 तक बिहार में शराब तस्करी के 64 मामले सामने आए, जिनमें से 25 प्रतिशत खेप यूपी निर्मित विदेशी शराब की थी। प्रशासन ने यूपी-पंजाब समेत 8 राज्यों से सहयोग मांगा है और सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट बढ़ाने का फैसला किया है। आगामी चुनाव में बिहार के 23 सीमावर्ती जिलों में 390 से ज्यादा चेकपोस्ट बनाने की योजना है और ड्रोन, सीसीटीवी, हैंडहेल्ड स्कैनर से निगरानी कड़ी की जा रही है।

शराब की तस्करी के पीछे सिर्फ मुनाफा ही नहीं, बल्कि बड़े सियासी समीकरण भी काम करते हैं। चुनाव के समय नेताओं और बड़ी पार्टियों के लिए अवैध दारू का नेटवर्क वोटर जुटाने का सबसे आसान जरिया बन जाता है। हर बार की तरह पक्की दारू, पक्का वोट की ताकत इस बार भी बिहार में देखी जा सकती है, जिसमें तस्कर, कारोबारी और नेताओं की सांठगांठ से शराब की बोतलें मतदाताओं तक पहुंचती हैं। इसके बदले वोट का वादा लिया जाता है जो बिहार की सियासत का ध्यानाकर्षण बिंदु बना हुआ है। प्रशासन ने क्यूआर कोड, बैच नंबर जैसी तकनीकों से अवैध शराब की पहचान-पता करना शुरू कर दिया है ताकि तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश हो सके।

कुल मिलाकर, बिहार के चुनाव में फिर दारू के साथ वोट का समीकरण चर्चा में है। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद तस्करी के गिरोह तेजी से पैठ बना रहे हैं, जिससे राज्य सरकार को अपनी मद्य निषेध नीति सख्ती से लागू करनी होगी। चुनाव का मौसम जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे शराब तस्करी का दौर और तेज होता जा रहा है और इस बार भी पक्की दारू पक्का वोट का ट्रेंड बिहार सियासत का बड़ा सच बन गया है। **यह निजी विचार है।**

# भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2030 तक 300 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी

पीआईबी

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोज़गार के लिए जैव-प्रौद्योगिकी) नीति के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज युवाओं के लिए बायोई3 चुनौती और देश के पहले राष्ट्रीय बायोफाउंड्री नेटवर्क का शुभारंभ किया। उन्होंने इसे जैव-प्रौद्योगिकी को भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोज़गार का वाहक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

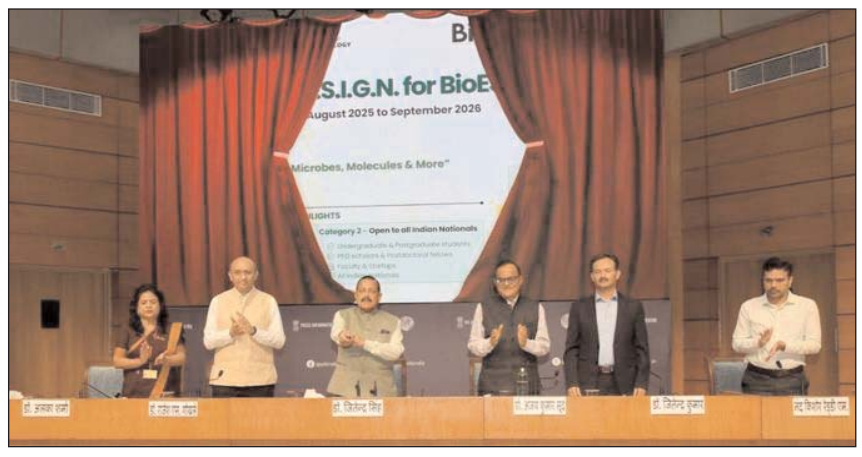


केंद्रीय मंत्री ने कहा की ÷भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2014 में मात्र 10 अरब डॉलर से बढ़कर 2024 में 165.7 अरब डॉलर हो गई है और अब हम 2030 तक 300 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं।÷ उन्होंने कहा कि भारत के जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने पिछले एक साल में बायोई3 नीति के अंतर्गत तेज़ी से प्रगति की है और कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं जो देश की जैव-अर्थव्यवस्था को आकार दे रही हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने ÷बायोई3 के एक वर्षः नीति से कार्रवाई तक÷ के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने अपने हितधारकों के साथ मिलकर कम समय में नए संस्थान स्थापित किया हैं, संयुक्त अनुसंधान पहल शुरू की हैं और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ स्थापित की हैं। उल्लेखनीय उपलब्धियों पर केंद्रीय मंत्री ने मोहाली में देश के पहले जैव-विनिर्माण संस्थान के उद्घाटन, देश भर में जैव-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्रों, जैव-विनिर्माण केंद्रों और जैव-फाउंड्री की स्थापना और कोशिका तथा जीन थेरेपी, जलवायु-अनुकूल कृषि, कार्बन कैप्चर और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों जैसे उन्नत क्षेत्रों को कवर करने वाले एक दर्जन से अधिक संयुक्त अनुसंधान कॉलों के शुभारंभ के बारे में बताया। डीबीटी को इन श्रेणियों के अंतर्गत पहले ही 2,000 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष जैव प्रौद्योगिकी और जैव-विनिर्माण में सहयोग के लिए डीबीटी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन, साथ ही प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की पहचान हेतु एक संयुक्त कार्य समूह का भी उल्लेख किया। इस वर्ष की शुरुआत में गगनयात्री ग्रुप कैप्टन सुभांशु शुक्ला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डीबीटी समर्थित तीन प्रयोग किए गए थे।

# कौशल्या माता को नम आंखों से दी गई विदाई

लोकशक्ति।

चित्रोत्पला लोक कला परिषद द्वारा दिनांक 23 अगस्त से 27 अगस्त तक अयोध्या की मिट्टी से बनी माता कौशल्या की मूर्ति स्थापित कर माता कौशल्या संग तीजा तिहार का आयोजन चंद्खुरी में किया गया था.

परिषद के निदेशक राकेश तिवारी ने बताया कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ की महिलाएं तीजा पर्व पर अपनी माइके आती है और जिस प्रकार से माइके में रहकर लोक परंपरा तथा लोक रीति रिवाज के अनुसार त्यौहार मनाती है इस प्रकार माता कौशल्या भी लोक परंपराओं का निर्वाह करते हुए पांच दिन माइके चंदखुरी में पंडवानी गायिका प्रभा यादव के घर रही. जहां माता करू भात खाकर उपवास रही एवं आज सुबह बासी खाकर सभी बहिनों को आशीर्वाद प्रदान की. आज शाम माता को चंदखुरी फार्म तथा चंद्खुरी ग्राम के भ्रमण कराकर जनसेल तालाब में अंतिम विदाई दी गई . इस अवसर पर राकेश तिवारी, डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर ,पंडवानी गायिका प्रभा यादव ,शोभा यादव, प्रतीक वेश हेमलाल पटेल संत फरीकार,विशाल वर्मा ,मनीष लदेर ,नरेंद्र यादव, तनु यादव ,नितेश यादव ,धनीराम जनक, सहित सैकड़ो ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जम्मू में भारी बारिश के कारण तवी नदी में उफान आने से एक मकान का मलबा आंशिक रूप से ढह गया।

जम्मू-कश्मीर के कटरा में भारी बारिश के बाद भूस्खलन के बाद एक घायल को इलाज के लिए अस्पताल लाया जा रहा है।

# भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अडानी समूह की संस्थाओं द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी दी

पीआईबी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अडानी समूह की संस्थाओं द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

प्रस्तावित संयोजन, अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईडीपीएल) या अडानी समूह का हिस्सा बनने वाली किसी अन्य इकाई द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड की 100 प्रतिशत तक शेयरधारिता के अधिग्रहण से सम्बंधित है। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड वर्तमान में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, इलाहाबाद पीठ के निर्देशों के अनुसार दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है।

अडानी समूह का कारोबार ऊर्जा, संसाधन, लॉजिस्टिक्स, सामग्री और कृषि जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी समूह की कंपनियों के पोर्टफोलियो की प्रमुख कंपनी है। अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और अडानी समूह के सभी रियल्टी व्यवसायों की होल्डिंग कंपनी है।

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड एक विविध अवसंरचना समूह है। इसका व्यवसाय इंजीनियरिंग एवं निर्माण, सीमेंट, बिजली, रियल एस्टेट, उर्वरक, आतिथ्य, खेल आदि क्षेत्रों में है।

# स्ट्रीट वेंडर्स और उनके परिवारों के लिए बेहतर समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास की सुविधा

पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना' के पुनर्गठन और ऋण अवधि को 31 दिसंबर 2024 से आगे बढ़ाने को मंजूरी दी है। यह ऋण अवधि अब 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना का कुल परिव्यय 7,332 करोड़ रुपए है। पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए लाभार्थियों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभ देना है।

इस योजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी, आवास एवं शहरी मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) पर संयुक्त रूप से रहेगी। इसमें डीएफएस की भूमिका, बैंकों/वित्तीय संस्थानों और उनके जमीनी स्तर के अधिकारियों के माध्यम से ऋण/क्रेडिट कार्ड तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने की रहेगी।

पुनर्गठित योजना की प्रमुख विशेषताओं में पहली और दूसरी किस्त में बढ़ी हुई ऋण राशि, दूसरा ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों के लिए यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड का प्रावधान और खुदरा एवं थोक लेनदेन के लिए डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन शामिल हैं। इस

योजना का दायरा चरणबद्ध तरीके से जनगणना कस्बों व अर्ध-शहरी क्षेत्रों आदि बढ़ाया जा रहा है।

उन्नत ऋण संरचना में प्रथम किश्त के ऋण को 15,000 रुपए (10,000 रुपए से) तक बढ़ाया गया है तथा द्वितीय किश्त के ऋण को 25,000 रुपए (20,000 रुपए से) तक बढ़ाया गया है जबकि तृतीय किश्त पहले की तरह 50,000 रुपए पर है।

यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड की शुरुआत से स्ट्रीट वेंडरों को किसी भी आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तत्काल ऋण उपलब्ध हो सकेगा।

इसके अलावा, डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, स्ट्रीट वेंडर खुदरा और थोक लेनदेन करने पर 1,600 रुपए तक के कैशबैक प्रोत्साहन का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता और डिजिटल कौशल के माध्यम से विपणन पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेहड़ी-पटरी वालों की क्षमता निर्माण पर भी ध्यान देती है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सहयोग से रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मानक स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। रेहड़ी-पटरी वालों और उनके परिवारों के समग्र कल्याण और विकास को सुनिश्चित करने के लिए, मासिक लोक कल्याण मेलों के माध्यम से 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल को और मजबूत किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लाभार्थियों और उनके परिवारों तक पूर्ण रूप से पहुंचे।

सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान अभूतपूर्व कठिनाइयों का सामना करने वाले रेहड़ी-पटरी वालों की सहायता के लिए 1 जून 2020 को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना शुरू की थी। इस योजना की शुरुआत से ही यह रेहड़ी-पटरी वालों के लिए वित्तीय सहायता से कहीं अधिक साबित हुई है और इसने उन्हें अर्थव्यवस्था में उनके योगदान के लिए एक पहचान और औपचारिक मान्यता प्रदान की है। पीएम स्वनिधि योजना ने पहले ही महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर ली हैं। 30 जुलाई, 2025 तक, 68 लाख से ज़्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को 13,797 करोड़ रुपए के 96 लाख से ज़्यादा ऋण वितरित किए जा चुके हैं। डिजिटल रूप से सक्रिय लगभग 47 लाख लाभार्थियों ने 6.09 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 557 करोड़ से ज़्यादा डिजिटल लेनदेन किए हैं जिससे उन्हें कुल 241 करोड़ रुपए का कैशबैक मिला है। 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के तहत, 3,564 शहरी स्थानीय निकायों के 46 लाख लाभार्थियों का प्रोफ़ाइल तैयार किया गया है जिसके परिणामस्वरूप 1.38 करोड़ से ज़्यादा योजनाओं को मंजूरी दी गई है।

### विष्णु के सुशासन में ग्रामीणों की समस्याओं का हो रहा त्वरित निराकरण

# सुशासन एक्सप्रेस रथ घर-घर पहुंच रही शासन की सेवाएं

**रायपुर जिला प्रशासन द्वारा सुशासन को लेकर की जा रही अभिनव पहल**

रायपुर, संवाददाता

रायपुर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देश में आम जनता को शासन की योजनाओं और सेवाओं को घर के समीप पहुंचाने की दिशा में ÷सुशासन एक्सप्रेस÷ नाम से एक अभिनव और अनुकरणीय पहल शुरू की गई है, जो जनसमस्याओं के त्वरित निदान मॉडल के रूप में स्थापित हुई है। इसका शुभारंभ 29 मई को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तहत ग्राम भैंसा में आयोजित समाधान शिविर में किया था। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई इस पहल के माध्यम से हजारों ग्रामीणों को शासन की दो दर्जन से अधिक सेवाओं का लाभ सहजता से मिलने लगा है।

**ग्रामीणों ने कहा अब घर के समीप ही मिल रही है सुविधा** ग्राम पंचायत संकरी के युवा श्री उत्तम साहू के लिए खुशी का क्षण था जब घर बैठे ही उन्हें लर्निंग लाइसेंस मिल गई, जो उनके गांव में आए सुशासन रथ से मिली। उत्तम कहते हैं कि उनके घर में अन्य सदस्यों

ने लाइसेंस बनाया तो गांव के बाहर जाना पड़ा था और समय भी लगा था, अब कुछ दिन पहले गांव में कोटवार ने हांका लगाया तो सुशासन रथ आने की जानकारी मिली। मैंने वहां जा कर आवेदन किया। प्रक्रिया पूरी हुई और मुझे लाइसेंस मिल गया। सांकरा के रहने वाले श्री राजेश कुमार यादव भी बड़े प्रफुल्लित हैं कि उनका राशन कार्ड बन गया, इसके लिए बार-बार पंचायत कार्यालय में जाना नहीं पड़ा उन्होंने सुशासन रथ में आवेदन दिया, प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशन कार्ड बन गया। उत्तम और राजेश मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहते हैं कि अब जिला प्रशासन रायपुर द्वारा उनके घर के समीप ही शासकीय सेवाएं मिल रही हैं जिसके लिए उन्हें अलग से समय निकाल कर जाना पड़ता था, कई बार कागजात अपूर्ण होने पर दुबारा भी जाना पड़ता था।

**67 हजार से अधिक आवेदनों का त्वरित निराकरण** - सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 75,864 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 67,788 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है। शेष लंबित आवेदनों की कार्यवाही भी प्राथमिकता से की जा रही है। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक जरूरतमंद 15,741 आवेदकों को आय प्रमाण पत्र, 5741 को जाति प्रमाण पत्र, 4273 को निवास प्रमाण पत्र, 7536 को आयुष्मान भारत कार्ड, 6014 को राशन कार्ड, 8269 को ड्राइविंग लाइसेंस, 1306 को किसान क्रेडिट कार्ड, 2051 को नरेगा जॉब कार्ड, 577 को जन्म प्रमाण पत्र, 50 को मृत्यु प्रमाण पत्र, 4093 श्रमिकों को श्रम कार्ड, 5070 लोगों को आधार कार्ड, 883 को किसान किताब, 814 पात्र आवेदकों को पेंशन, 1346 एचएसआरपी का लाभ देने के साथ ही महिला एवं बाल विकास, पुलिस, आवास सहित अन्य योजनाओं से भी बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

**गांव में ही लग रहा 'वन-स्टॉप कैंप**

किसी भी गांव में सुशासन एक्सप्रेस पहुंचने से तीन दिन पहले सूचना जारी की जाती है। मौके पर पटवारी, पंचायत सचिव, स्वास्थ्य टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आधार व आयुष्मान कार्ड बनाने वाले कर्मचारी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इस तरह गांव में ही छोटा 'वन-स्टॉप शिविर' तैयार हो जाता है।

**प्रथम चरण- पूर्ण, अब सुशासन एक्सप्रेस दूसरे चरण में** प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार-2025 के सकारात्मक परिणाम को देखते हुए जिला प्रशासन रायपुर ने इसी तर्ज पर सुशासन एक्सप्रेस की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य शासकीय अमले का एक साथ गांवों में पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण करना है। सुशासन एक्सप्रेस के प्रथम चरण की शुरूआत अभनपुर, आरंग, धरसींवा और तिल्दा विकासखण्ड के गांवों से हुई। उक्त चारों विकासखण्डों की 300 से अधिक ग्राम पंचायतों में तथा नगर पंचायत आरंग के 17 वार्डों में सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण किया गया। प्रथम चरण की सफलता के बाद अब जिला प्रशासन ने इसका दूसरा चरण भी प्रारंभ कर दिया है, जिसमें अभनपुर, धरसींवा एवं तिल्दा विकासखंड के ग्रामीण इलाके शामिल है, जहां सुशासन एक्सप्रेस निर्धारित तिथियों में पहुंच रही है। सुशासन एक्सप्रेस के साथ गांव-गांव में पहुंचकर विभिन्न विभागों का मैदानी अमला लोगों की समस्याओं और आवेदनों का निराकरण कर रहा है।

# कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष पैगवार के मुख्य आतिथ्य में मनाई गई कांग्रेस सेवादल के संस्थापक डॉ .हार्डिकर जी की पुण्यतिथि



**जांजगीर..** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे एवं कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक स्व .डॉ नारायण सुब्बाराव हार्डिकर जी की पुण्यतिथि 26 अगस्त को जिला कांग्रेस के कार्यकारी जिला अध्यक्ष रमेश पैगवार के मुख्य आतिथ्य में नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम पाली में मनाई गई । उक्त कार्यक्रम नवागढ़ ब्लाक कांग्रेस सेवादल संगठक अशोक यादव के संयोजन में आयोजित किया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में स्व . डॉ. हार्डिकर जी के तेल चित्र पर खादी सुत एवं पुष्प माला अर्पित कर धूप दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि सभा आयोजित किए ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश पैगवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक डॉ . नारायण सुब्बाराव हार्डिकर जी एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं महान राजनेता थे , उन्होंने सेवा दल की स्थापना 1923 में पूर्व प्रधानमंत्री पं . जवाहरलाल नेहरू जी के नेतृत्व में कांग्रेस सेवा दल की स्थापना किये, स्वर्गीय हार्डिकर जी वर्ष 1952 से 1962 तक राज्यसभा के सदस्य रहे उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था, हार्डिकर जी का जीवन देश सेवा और स्वतंत्रता की भावना से भरा था उनका कांग्रेस सेवा दल के माध्यम से किया गया कार्य आज भी प्रेरणा का स्रोत है, डॉ. हार्डिकर जी का निधन 26 अगस्त 1975 को हुआ था कार्यक्रम में सेवा दल जिला संगठक देव कुमार पांडे, नगर संगठक सेवा दल बबला? गुप्ता ने भी अपना विचार व्यक्त किए । आभार प्रदर्शन अशोक यादव ने किया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामकुमार यादव, गेंद राम यादव, संतोष यादव, जरीब मोहम्मद, लोकेश यादव, बबला खान,कमलेश ताम्रकार, जाहिद मोहम्मद, अमिर खान आदि कांग्रेस जन, सेवादल के सदस्यगण उपस्थित हुए ।

# मवेशी तस्करी के दो आरोपियों को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा

**जांजगीर चांपा** / मवेशी तस्करी के दो आरोपीयों को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा है । ज्ञात हो कि विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप एवं उप पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र खुंटे के मार्गदर्शन में थाना पामगढ़ पुलिस को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम ससहा के अटल चौक के पास दो व्यक्ति एक सफेद रगं के वाहन छोटा हाथी क्रमांक छ्त्त-10ॢङ्ख-2429 में रोड में बैठे मवेशियो को पकडकर रस्सी से बांधकर वाहन में चढ़ा रहे है तथा तस्करी करने के लिये ससहा से जोंधरा की ओर जाने वाले है । उक्त सूचना पर हमराह स्टाफएवं गवाहों के साथ मुखबीर के बताये गये स्थान पर जाकर रेड किया गया। मौके पर एंक सफेद रंग का वाहन छोटा हाथी अटल चौक से ससहा मेला ग्राउण्ड रोड तरफ जा रहा था तथा वाहन का ट्राली नीले रंग के पन्नी से ढका था जिसे रोकर चालक एवं उसमें बैठे एक व्यक्तिल से नाम पता पूछा गया तो चालक ने अपना नाम त्रिवेन्द्रे यादव एवं दुसरे व्यक्ति शत्रुहन यादव निवासी कुरेली थाना बिल्हा का रहने वाला बताया। वाहन के पीछे को चेक करने पर वाहन में पांच नग मवेशी भरा मिला, जिसे रस्सी से बांधा गया था पूछताछ करने पर मवेशी को तस्करी कर बाजारो में बिक्री करने के लिये ले जाना बताये जिसे बरामद किया गया आरोपियों का कृत्य धारा सदर 4,6,10 छ.ग. कृषक पशु क्रुरता परिरक्षण अधिनियम 2004 एवं 11 डी पशु क्रुरता निवारण अधिनियम 1960 का घटित करना पाये जाने से अपराध क्रमांक 381/25 एवं धारा सदर कायम कर विधिवत गिरफ्तार न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। मामले मे विवेचना जारी है। उपरोक्त कार्यवाही मे उप निरीक्षक मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ, सउनि रामदुलार साहू , संतोष बंजारे एवं आर. प्रहलाद बनर्जी, ओम प्रकाश कुर्रे, सैनिक चंद्रशेखर प्रधान एवं थाना पामगढ पुलिस का योगदान रहा।

## नार्थ इंडिया ओपन कराटे चेम्पियनशिप में खिलाड़ियों ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

# टीम को मिला ऑल ओवर विजेता का खिताब

जांजगीर चांपा संवाददाता

जांजगीर चांपा / नार्थ इंडिया ओपन कराटे चेम्पियनशिप 2025 जो कि आगामी 23 और 24 अगस्त को ईश्वर चंद इंटर कॉलेज गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश) में गाजियाबाद ग्रामीण विधायक संजीव शर्मा, गाजियाबाद शहर विधायक श्रीचंद शर्मा, पूर्व राज्यमंत्री निरपाल सिंह,गौतम बुद्ध नगर आई पी एस प्रवीण रंजन सिंह,एस पी क्राईम मेरठ राजीव कुमार ,कराटे वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय सचिव शिहान राजीव मुंडेलवाल के गरिमामयी आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के 19 खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए 19गोल्ड 9सीवर 8 ब्रॉन्ज़ मैडल के साथ कुल 36 पदक जीतकर ऑल ओवर चेम्पियन का खिताब जीत लिए प्रदेश के लिए पदक जीतकर नाम रोशन करने वालो में जांजगीर चाम्पा जिले से अन्वीक्षा तिवारी , लीजा महंत , विशु वर्मा, तमन्ना राठौर, तनिषा तनु, आराध्या दुबे, भूमिका जोगी , श्रेष्ठ द्विवेदी, अमन खूंटे, हर्ष , वैभवी सिंह सिसोदिया, अंकिता सिंह, हिमांशु पटेल, अनिकेत साहू, एकता कंवर पारिजात सिन्हा महासमुंद जिले से हेमा पटेल रायपुर जिले से सिद्धि रॉय, दुर्ग जिले से अभिषेक टंडन अंजू ने टीम के लिए पदक जीते खिलाड़ियों के जीत पर पर राज्य कराटे संघ यू एस के छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष गुरुजी सनत राठौर, चेयरमैन सन्तोष गुप्ता, यू.एस.के.इंडिया के जनरल सेक्रेटरी शिहान वरुण पाण्डेय, स्टेट यूनिट के सचिव सेंसेई रूखमणी रानू, सेंसेई वीरेंद्र डडसेना,कराटे वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सेंसेई पंकज दास, सेंसेई हरिश सिंह, वंशिका चौहान, श्रीजेता बाजपेयी, हरिश साहू , मधु विश्वकर्मा लवली महंत , वामिनी साहू , अश्वनी श्रीवास , तिजबाई यादव, नेहा यादव गीता बारेठ , वेणु साहू, पूजा साहू, सीमा, टिकेश्वरी, प्रिया, रेणुका ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हर्ष व्यक्त किए हैं ।

# विधायक हरबंश के प्रयास से ग्राम कोसला में 49 लाख की लागत से बनेगा गौरव पथ

**जांजगीर चांपा।** पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश के प्रयास से लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति होते जा रही है। ग्राम कोसला में विधायक के प्रयास से 49 लाख रुपए की लागत से गौरव पथ का निर्माण होगा। क्षेत्र विकास की ओर कदम से कदम बढ़ाते हुए प्रगति की ओर अग्रसर हो रही है।

विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश की अनुशंसा पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोसला में सीसी सड़क सह नाली निर्माण की स्वीकृत दी गई है। उक्त निर्माण कार्य कमला देवी हायर सेकेंडरी स्कूल से कोटवार के घर तक 5 सौ मीटर लंबाई सीसी सड़क सह नाली निर्माण होगी। उसके लिए 49.1 लाख रुपए की स्वीकृत मुख्य अभियंता मुख्यमंत्री सड़क एवं विकास योजना के द्वारा दी गई है। गांव में पक्की सड़क एवं नाली की स्वीकृत मिलने से ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए विधायक श्रीमती हरवंश के प्रति आभार व्यक्त की हैं।

## पदाधिकारी पर हमले के खिलाफ उचित कार्यवाही व सुरक्षा प्रदान करने की मांग

**रायपुरः-** आम आदमी पार्टी ट्रांसपोर्ट विंग प्रदेश अध्यक्ष पलविंदर सिंग पन्नू पर बीते दिनों आमानाका थाना झेत्र के अंतर्गत हुए हमले के खिलाफ आम आदमी पार्टी की टीम पहुची पुलिस अधीक्षक के दफ्तर व सख्त कार्यवाही की मांग की पुलिस अधीक्षक से मुलाकात तो नही हो पाई उनकी जगह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते जी से मुलाकात कर अपनी बात रखी । प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम जायसवाल, नंदन सिंह ने बताया कि पलविंदर सिंह लगातार इस झेत्र में नशे के खिलाफ आवाज उठाते आरहे है और समय समय पर पुलिस के माध्यम से नशा का कारोबार करने वालो को पकड़वाने का काम भी करते आरहे है यही मुख्य कारण है इनपर हमले का , नशे के कारोबार से जुड़े लोगों ने बीती रात उनपर हमला कर दिया जिसकी रिपोर्ट आमानाका थाने में दर्ज की जा चुकी है ।

# पार्थिव शिवलिंग बनाया, फुलेरा सजाकर शिव - पार्वती की पूजा अर्चना की

राजनांदगांव।



सुहागिन महिलाओं ने सोमवार की रात करु भात खाकर मंगलवार को दिन-रात निर्जला व्रत रखा और बुधवार को भगवान भोलेनाथ माता पार्वती,गणेश,कार्तिकेय की पूजा करके व्रत खोली। महिलाओं ने मंगलवार को रतजगा किया। मध्य रात्रि तक कहानी, कविता, धार्मिक पुस्तकों का पठन-पाठन किया, कुछ महिलाओं ने निर्जला न रख कर जलाहार करके व्रत रखा। पार्थिव शिवलिंग बनाकर,फुलेरा सजाकर शिव पार्वती की पूजा की।मायके वालों ने उपहार स्वरूप वस्त्र, आभूषण गिफ्ट भेंट किए। तीजा नहीं आने वाली महिलाओं के लिए माता-पिता भाइयों ने फ्लाहार व उपहार भी भेजे। सभी सामूहिक रूप से पूजा करके व्रत खोली। कुछ बहनों ने नदी सरोवर तालाब में जाकर बालू रेत मिट्टी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया तथा विधि विधान से पूजा अर्चना की है। व्रती महिलाओं मे

पुष्पा लखन लाल, खुमेशवरी अंगेशवर सिन्हा, हेमलता बलदेव, छोटी सिन्हा ने बताया कि शास्त्रों के मुताबिक प्रति महिलाएं पार्थिव शिवलिंग का जल अभिषेक करके पुजा अर्चना करती है तो अनुवांशिक फ्ल की प्राप्ति होती है। नदी तालाब किनारे पूजा करने से पुण्य लाभ प्राप्त होता है, धन-धान्य आरोग्य संतान स्वर्ग की प्राप्ति के साथ शारीरिक मानसिक कस्टो से मुक्ति मिलती है अकाल मृत्यु नहीं होती है शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है इस कलयुग में श्रेष्ठ बताया गया है वह हर साल नदी किनारे जाकर तीज प्रति पर सुबह आरती शिवलिंग की पूजा करती है।

## विधायक राघवेंद्र के प्रयास से क्षेत्र में बनेंगे तीन गौरव पथ

**जांजगीर चांपा** / अकलतरा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के प्रयास से विधान सभा क्षेत्र के तीन गांवो में गौरव पथ निर्माण की स्वीकृति मिली है । इस निर्माण के तहत ग्राम पिपरसत्ती में मेन रोड से नीम डीपरा की 32लाख रूपए की लागत से सीसी रोड सह नाली निर्माण होगा । इसी तरह ग्राम गतवा बलौदा में मेन रोड से बस्ती की ओर18.69लाख रुपए की लागत से सी सी रोड सह नाली निर्माण , ग्राम जरवे( ब ) में मुख्य मार्ग से हाई स्कूल की ओर सी सी रोड सह नाली निर्माण होगी।

# विधायक ब्यास कश्यप की अनुशंसा से मिली गौरव पथ निर्माण की स्वीकृति

**जांजगीर चांपा /** विधायक ब्यास कश्यप की अनुशंसा से ग्राम सरखों एवं ग्राम सिउड़ में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत नाली सह सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। ज्ञात हो कि क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्राम सरखों के सरपंच सहित ग्रामवासियों ने फकीर के घर से लेकर बैगा पारा तक नाली सहित सीसी रोड निर्माण कराने की मांग रखी थी। इसी प्रकार ग्राम सिउड़ के सरपंच के द्वारा भी मुख्य नहर पुल से गोसाई तालाब की ओर नाली सह सीसी रोड निर्माण कराने की मांग रखी गई थी। उक्त मांगो की स्वीकृति के लिए जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत प्रस्ताव उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा को प्रेषित किया था, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई है। विकासखंड नवागढ़ के ग्राम सरखों में फ्कीर के घर से लेकर बैगा पारा तक नाली सह सीसी रोड निर्माण के लिए 24.52 लाख रुपए तथा ग्राम सीउड़ में मुख्य नहर पुल से गोसाई तालाब की ओर नाली सह सीसी रोड निर्माण के लिए 27.17 लाख रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। उपरोक्त दोनों मार्ग से बरसात के दिनों में आवागमन अत्यंत ही दुष्कर था। ग्रामवासी लंबे अरसे से मार्ग में पक्की सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। उक्त निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिलने से ग्रामवासियों में हर्ष है तथा उन्होंने विधायक ब्यास कश्यप के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

# आठ वर्षीय बालक के अपहरण का खुलासा : चचेरा भाई के साथ उसके साथी आरोपी गिरफ्तार

## 48 घंटे के भीतर अपहृत बालक को जिला गौरेला के करीआम क्षेत्र से किया गया सकुशल बरामद

जांजगीर चांपा /



आठ वर्षीय बालक के अपहरण की मामले से पर्दा उठ गया है जिसका खुलासा आज प्रेस वार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप ने पत्रकारों के समक्ष किया । इस मामले में अपहृत बालक के चचेरा भाई ने ही अपने साथियों के साथ फिरौती के लिए अपहरण की घटना को अंजाम दिया था जिसके लिए पूर्व योजना बनाकर सलखन गांव से बकायदा चार दिन के लिए चारपहिया वाहन भी किराए में लिया गया था । मामले का विवरण इस प्रकार है कि थाना मुलमुला क्षेत्र के ग्राम लगरा में दिनांक 25 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे करीबन एक 8 वर्षीय बालक गुम हो गया था जिसकी सूचना पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना मुलमुला में अपराध क्रमांक 264/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

प्रकरण नाबालिक के गुम होने से प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में गुम बालक की पतासाजी करने हेतु थाना प्रभारी मुलमुला को निर्देशित कर प्रकरण में सभी पहलु की सूक्ष्मता से जाँच कर प्रकरण निराकरण करने हिदायत दिया गया। नाबालिक बच्चे के अचानक गुम होने की घटना को देखते हुए एवं मामला गंभीर होने से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल के मार्गदर्शन में साइबर टीम को अपहृत बालक का हर हाल में पता सजी हेतु त्वरित घटना स्थल जाकर तकनीकी जानकारी एकत्र करने पर ज्ञात हुआ की नाबालिक बच्चा ग्राम लगरा में दोपहर 2 बजे तक देखा गया था जिसके बाद से नाबालिक गांव में नजर नहीं आया । अपहृत बालक का पतासाजी के लिए ग्राम के सभी मार्गो ग्राम के अंदर प्रवेश एवं निकासी मार्गों को देखने पर बालक के आने जाने के गतिविधि नजर नहीं आने पर पुलिस को शक हुआ की प्रकरण में नाबालिक बालक किसी वाहन या पहचान के व्यक्ति के साथ या किसी व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकार ले गया होगा। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सीसीटीवी का बारीकी से अवलोकन करने पर ज्ञात हुआ की जिस समय बालक ग्राम में आखिरी बार सीसीटीवी के माध्यम से देखा गया था उसके बाद से नहीं दिखा, परन्तु गुम बालक का बड़े पिता का लड़का राहुल टंडन का वाहन टेम्पो ट्रेक्स गामा सीजी 11 बीएन 0720 लगातार उस दौरान मूवमेंट पाया गया जिस पर गुम बालक के भाई राहुल टंडन से पूछताछ करने पर यह सामने आया की वह गुम बालक को जो उसका चचेरा भाई है जिसको लेकर पोल्ट्री फार्म गया था । उसके बाद उसे घर छोड़कर अपने वाहन को बुकिंग में लेकर चला गया था और शाम 4 बजे बालक को गुड़ी के पास देखना और घर चलने बोला बताया राहुल से पुछताछ के आधार मे सीसीटीवी का पुनः अवलोकन करने पर राहुल टंडन के कथन में विरोधाभास होने से राहुल टंडन से कड़ाई से पुछताछ करने पर बताया की गुम बालक के पिता से जमीन के पुराने विवाद पर रंजिश रखते हुए पैसे के लालच में परेशान करने की नियत से अपने दोस्त प्रशांत मैना निवासी खपरीताड एवं एक अन्य साथी के साथ मिलकर दिनांक घटना से 7 दिन पूर्व योजना बनाये और 10 लाख मांग कर पैसे मिलने पर पैसा बराबर बाँट लेने तथा पैसे को राहुल टंडन लेकर आने की योजना बनाये थे । योजना के अनुसार गुम बालक के गुम शुदा होने के कुछ दिन पूर्व आरोपी राहुल टंडन गुम बालक सम्राट के साइकिल में बैठकर सिल्ली नहर रोड में लेकर गया था जहाँ पहले प्रशांत मैना एवं अन्य साथी उपस्थित थे वहा पहुंचकर राहुल वहा से चला गया फिर प्रशांत और राहुल टेम्पो ट्रेक्स गामा गाड़ी में ले जाने का असफल प्रयास किया जिसकी सुचना गुमशूदा ने अपने चाचरे बड़े भाई को दिया था परन्तु वह खुद साजिशकर्ता था।

दिनांक घटना 25अगस्त को आरोपी राहुल टंडन ग्राम खपरी के दोस्त प्रशांत मैना और उमेश दिवाकर एवं अन्य के साथ ग्राम नवागांव में दोपहर एक बजे मिले और अपहरण की योजना बनाये । राहुल टंडन अपने साथियो को बोला की मै सम्राट को लेकर नवागांव लेकर आऊंगा फिर राहुल टंडन ग्राम लगरा जाकर अपने भाई गुम बालक को अपने टेम्पो गामा तूफान गाडी सीजी 11 बीएन 6720 में बैठाकर अपने पोल्ट्री फार्म सिल्ली लेकर गया और पोल्ट्री फार्म से योजना के अनुसार नावागांव तालाब के पास लेकर गया । राहुल अपने भाई सम्राट को गाड़ी में छोड़ उतर गया तभी उमेश उर्फ ननकी, प्रशांत मैना एवं अन्य साथी एक किराये के टेम्पो गामा तूफान क्रमांक सीजी 11 बीएच 3441 से आये और नाबालिक बालक को अपहरित कर ले गयें । आरोपी राहुल ने इन तीनों से बोला था कि मुरलीडीह ओवरब्रिज के निचे रहना , फिर राहुल अपने वाहन से वहा पंहुचा फिर दोनों वाहन से करुमाडु पेट्रोल पंप पहुंचे और गाड़ी क्रमांक सीजी 11 बीएच 3441 में डीजल डलवाये और राहुल टंडन ने दुर्गेश और प्रशांत को 600 रूपया देकर बोला कि बच्चे को साथ में लेकर पेंड्रा रोड जंगल में रहना । उसके बाद राहूल ने ननकी उर्फरमेश को उसके घर खपरी में छोड़कर अपने अपने घर लगरा आ गयें।

## खास खबर

### आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ का आंदोलन 1 को

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ के आह्वान पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एक सितंबर को काम बंद जंगी हड़ताल करने का निर्णय लिया है। संघ ने कहा यह हड़ताल 6 सूत्रीय मांगों को लेकर होगी। 10 दिन में उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता है तो आंदोलन करेंगे।

### कोल पेंशनर्स ने 15 सितंबर को किया धरना-प्रदर्शन का ऐलान

**कोरबा** जिले में ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल पेंशनर्स और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्जीक्यूटिव्स ने लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। दोनों संगठनों के सदस्य 15 सितंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक कोल इंडिया मुख्यालय में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेंगे।

ऑनलाइन वर्चुअल बैठक में आंदोलन को लेकर सर्वसमति से निर्णय लिया गया। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल पेंशनर्स और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्जीक्यूटिव्स के संयोजक पीके सिंह राठौर ने कहा कि प्रबंधन की उदासीनता और वादाखिलाफी से पेंशनर्स व अधिकारियों में असंतोष गहराता जा रहा है। हमारी मांगें कर्मचारी कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी हैं। यदि समय रहते इन पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कोयला अधिकारी संगठन व पेंशनर संघ का कहना है कि प्रबंधन लगातार उनकी मांगों व समस्याओं का निराकरण करने में विफल रहा है। जिसके चलते उन्हें आंदोलन का निर्णय लेना पड़ा है। दोनों संगठनों की प्रमुख मांगो में अधिकारियों और वेतन बोर्ड कर्मचारियों के बीच वेतन विवाद का जल्द समाधान करने की प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा सीपीआरएमएस योजना का समान रूप से क्रियान्वयन, कंपनी डॉक्टर की रेफर ल अनिवार्यता को हटाने सहित अन्य मांगें शामिल है।

### आम आदमी पार्टी ने स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों की हड़ताल को दिया समर्थन

कोरबा। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर हैं और अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा गयी हैं। एनएचएम कर्मचारी संघ ने अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर घंटाघर में अपनी हड़ताल 8वें दिन भी जारी रखी। कर्मचारियों ने पूरी तरह काम बंद कर रखा है, जिसके कारण शासकीय अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अधिक परेशानी हो रही है। जरूरतमंद को इलाज नहीं मिलने से मरीज बिना इलाज के ही वापस लौट रहे हैं।

कोरबा में एनएचएम कर्मचारी संघ के हड़ताल को आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन देकर दस सूत्रीय मांगों को जायज बताते हुए कहा है प्रदेश भर में चल रहे इस हड़ताल की वजह से आम नागरिक परेशानी झेल रही है, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की दस सूत्रीय मांगों को परेश की भाजपा सरकार तत्काल पूरा करें, ऐसा नही करने पर आंदोलन और भी उग्र रूप धारण करेगा।

# सेवा मिशन ने पहाड़ी कोरवा महिलाओं को तीज पर्व पर साड़ी एवं बच्चों को शिक्षण सामग्री की वितरित




**कोरबा** । जिले में सामाजिक सरोकारों को सर्वोपरि मानते हुए मानव सेवा मिशन ने तीज पर्व के अवसर पर देवपहरी रोड स्थित ग्राम भूडू माटी, छातीबहार और सरई टिकरा में निवासरत पहाड़ी कोरवा महिलाओं एवं बच्चों के बीच पहुंचकर सेवा कार्य किया। इस दौरान महिलाओं को नई साड़ी एवं श्रृंगार सामग्री भेंट की, वहीं बच्चों को दस प्रकार के शैक्षणिक चार्ट, कॉपियां एवं पेंसिल सेट प्रदान किए गए। तीज पर्व पर जहां शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं नई साड़ी पहनकर व्रत रखती हैं, वहीं पहाड़ी कोरवा महिलाएं इस पर्व को परंपरागत रूप से नहीं मनातीं। इसके बावजूद मानव सेवा मिशन के सदस्यों ने इस पर्व की खुशी को दोगुना करते हुए उन्हें नई साड़ी एवं श्रृंगार सामग्री देकर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। समाजसेवी संस्था मानव सेवा मिशन की स्थापना कोरोना काल में जरूरतमंद ग्रामीणों को सूखा राशन पहुंचाने के उद्देश्य से हुई थी। तब से लेकर अब तक यह संस्था लगातार कोरबा सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में जरूरतमंदों तक सहयोग पहुंचाकर सेवा की एक अनूठी मिसाल प्रस्तुत कर रही है। बालको संयंत्र में कार्यरत युवाओं के नेतृत्व में इस संस्था से जिले और बाहर के अनेक सेवा भावी लोग जुड़कर निरंतर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

इस अवसर पर सेवा कार्य में सक्रिय रूप से योगदान देने वालों में केशव चन्द्रा, अमर पटेल, राजेश धीवर, संजय विजयवर्गीय, सत्यम सोनी, क्रांति सोनी, पीतम लाल, माधुरी चन्द्रा, उमा पटेल, मेघा सोनी, अल्का पृथ्वीकर, स्मिता पटेल, दीप्ति सोनी, रागिनी धीवर, आरोही सोनी, रेनुका धीवर, श्रृंखला सोनी, पूर्वी धीवर, वासु सोनी, आदी, रुद्र, कृतार्थ एवं अबीर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

### हसदेव एक्सप्रेस में मोबाइल छिनने का पकड़ाया कथित आरोपी

**कोरबा(आरएनएस)।** रायपुर से कोरबा हसदेव एक्सप्रेस में मोबाइल छीनने की घटना सामने आई थी। मामले में रेलवे की टीम ने एक कथित आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है।

बताया जाता है कि विगत 20 अगस्त को गाडी संख्या 18249 (हसदेव एक्सप्रेस) में बिलासपुर से अकलतरा तक यात्रा के दौरान चुचहियापारा रेलवे ओवर ब्रिज के पास ट्रेन की धीमी गति का फायदा उठाकर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा हाथ पर डंडे से मारकर यात्री मोबाइल गिरा दिया। जिसके बाद मोबाइल लेकर भाग गया। इस सम्बन्ध मे शिकायतकर्ता द्वारा स्थानीय पुलिस थाना तोरवा में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दी गई। जिस पर तोरवा पुलिस थाना द्वारा अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रेल सुरक्षा बल, सीआईबी टीम, बिलासपुर मंडल, रेल सुरक्षा बल, टास्क टीम की संयुक्त टीम गठित कर उक्त घटना के डिटेक्शन के प्रयास के क्रम में मुखबिर से सूचना जुटाई। सूचना पर उक्त घटना कारित करने वाले कथित आरोपी को घटनास्थल के पास ही रेलवे एरिया से पकड़ा गया। उससे सख्ती से पूछताछ करने पर उसने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

**12 सौ से अधिक मरीज हुए लाभान्वित**

# जिला स्तरीय आयुष मेला का किया गया आयोजन

**कोरबा** जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला राम-जानकी मंदिर परिसर बुधवारी रोड कोरबा में कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. उदय शर्मा के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती संजू देवी राजपूत, महापौर नगर पालिक निगम कोरबा, अध्यक्षता डॉ. पवन कुमार सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत कोरबा रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत, ए.डी.एम. अनुपम तिवारी आयुष मेला में शामिल हुए। राजपूत क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष ठाकुर अवधेश सिंह, पदमसिंह चंदेल पंच ग्राम पंचायत गोढ़ी राजपूत समाज के पदाधिकारी विजय सिंह, दिनेश सिंह, छन्नु सिंह, जितेन्द्र सिंह, प्रमेश चंदेल, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, आर.के. सिंह, राज सिंह के आतिथ्य में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस आयुष स्वास्थ्य मेला में कुल 1235 मरीजों का सफल उपचार किया गया। जिसमें 830 मरीजों का उपचार आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति तथा 405 मरीजों का होम्योपैथी पद्धति से उपचार किया गया। मंच का संचालन डॉ. राजकुमार एवं डॉ. अमित कुमार जाटवर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती संजू देवी राजपूत, महापौर नगर पालिक निगम कोरबा ने अपने उद्बोधन में आयुष पद्धति से उपचार के महत्व एवं उपयोगिता को बताया। उन्होनें अपने उद्बोधन में आयुष एक कारगार एवं बीमारी को जड़ से निवारण हेतु उपचार का एक तरीका बताया तथा उपस्थित सभी हितग्राहियों को आयुष के प्रति आस्था एवं जागरूकता के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. पवन कुमार सिंह ने आयुष के बढ़ावा के लिए शासन हर संभव प्रयास की बात कही। पार्षद नरेन्द्र देवांगन द्वारा कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के दिये संदेश को बताया एवं जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला आयोजन के प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अजीत वसंत, ए.डी.एम. अनुपम तिवारी एवं समस्त उपस्थित अतिथि के साथ आयुष द्वारा संचालित स्टॉल औषधि प्रदर्शनीय, छत्तीसगढ़ के प्रचलित 36 औषधियुक्त पौधों का प्रदर्शन किया गया। मेला के दौरान जरूरतमंद मरीजों को पंचकर्म चिकित्सा, एक्युप्रेशर, एक्युपंचर, नेचरोपैथी एवं वात संबंधी रोगों के मरीजों को उपयोगी योग चिकित्सा द्वारा उपचारित किया गया। मरीजों को मधुमेह, उच्चरक्त चाप, मोटापा, माइग्रेन, सरवाईकल स्पोन्डेलोसिस, सियाटिका से बचाव हेतु योगासान सिखाया गया। शहर के प्रसिद्ध नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. जे.के. दानी द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। 28 मरीजों का गुदारोग जैसे- बवासीर, भगंदर एवं अन्य बीमारियों हेतु आवश्यक जांच की गई एवं 08 मरीजों को शल्यक्रिया एवं आवश्यक उपचार हेतु आयुषविंग जिला अस्पताल रिफर किया गया एवं आयुष मेला के दौरान सभी हितग्राहियों को आयुष अमृत काढ़ा वितरित किया गया।

### कोरबा में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए पर्पल फेयर का भव्य आयोजन

**कोरबा** । दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में पर्पल फेयर का भव्य आयोजन सीनियर क्लब सह. सी.एस.ई.बी. फुटबॉल मैदान, सी.एस.ई.बी. चैक, कोरबा (छ.ग.) में संपन्न हुआ। यह आयोजन प्रातः 10 बजे से आरंभ हुआ, जिसमें 340 , 140 टतपककीरंद ींजी जवजंस 680 चंतजपबपचंदजे, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थान, हितधारक तथा शहर के प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए।कार्यक्रम की शोभा उस समय और बढ़ गई जब कोरबा नगर निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत जी मुख्य अतिथि , के रूप में पधारीं। उन्होंने दिव्यांग बच्चों एवं युवाओं की प्रतिभा और उत्साह को देखकर अत्यंत भावुक होकर कहा। ये बच्चे वास्तव में किसी से कम नहीं हैं। अपनी क्षमताओं और मेहनत के बल पर इन्होंने यह साबित किया है कि दिव्यांगता कोई रुकावट नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर एक प्रेरणादायी मार्ग है। हर बच्चा अपने आप में कुशल है और अपने पैरों पर खड़े होने के लिए निरंतर संघर्षरत है। समाज को इनसे सीख लेनी चाहिए। महापौर ने सभी प्रदर्शनी स्टॉल, रोजगार मेले, कला गैलरी एवं कौशल विकास से जुड़े सेक्शन का दौरा कर दिव्यांगजनों के कार्यों की सराहना की और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ दीं।

मेले की प्रमुख गतिविधियों में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों का वितरण, सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी, दिव्यांग कला गैलरी, प्रतिभा प्रदर्शन हेतु खुला मंच, सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम तथा भोजन स्टॉल जैसी विविध व्यवस्थाएँ शामिल थीं।

## लव मैरिज करने वाली युवती की लाश बोरे में मिली

बिलासपुर (संवाददाता)।

शिवनाथ नदी के किनारे बोरे में बंधी मिली महिला के शव की पहचान हो गई है। महिला भाटापारा क्षेत्र के मूड़ता गांव की रहने वाली 22 वर्षीय संगीता निषाद है। वह बीते चार दिनों से घर से लापता था। शव जब मिला तो बोरी के भीतर लोहे के तार से पत्थर बंधा हुआ था। महिला का पति संजू केंवट बलौदाबाजार जिले के भाटापारा क्षेत्र स्थित धुर्राबंधा गांव का रहने वाला है। पुलिस ने हत्या का संदेह महिला के पति पर व्यक्त किया है।

बिलासपुर के डीएसपी लालचंद मोहले ने बताया कि रविवार को पचपेड़ी क्षेत्र के शिवटिकारी गांव में शिवनाथ नदी के किनारे बोरे में बंधी महिला की लाश मिली थी। बोरे से दुर्गंध आने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। आशंका है कि हत्या के बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए नदी में फेंका गया था। बताया जा रहा है कि संगीता के गायब होने की शिकायत भी स्वजन ने भाटापारा ग्रामीण थाने में की थी। संजू केंवट फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं। पुलिस को आशंका है कि संजू ने पत्नी की हत्या के लाश ठिकाने लगाने के लिए नदी में फेंक दिया था। उन्होंने कहा कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद डायरी भाटापारा पुलिस के पास भेजी जाएगी। आगे की जांच भाटापारा पुलिस करेगी। आरोपित के गिरफ्तार होने पर हत्या के कारणों की जानकारी मिलने की बात कही जा रही है।

जानकारी के अनुसार, संगीता सोशल मीडिया में बहुत सक्रिय रहती थी। उसी दौरान फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी मुलाकात संजू से हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातें होने लगी। उसके बाद संगीता ने संजू के साथ प्रेम विवाह कर लिया। हत्या की परिस्थितियां अभी अस्पष्ट है। भाटापारा ग्रामीण थाना प्रभारी लाखेश केंवट ने बताया कि संदेही पति के मिलने के बाद ही बातें स्पष्ट हो पाएंगी।

## खदानों के ठेका श्रमिकों को मिलेगी बीमा और आवास की सुविधा

**0 सामाजिक सुरक्षा को लेकर जारी किए गए निर्देश**

कोरबा। कोल इंडिया निदेशक मंडल ने अनुषंगिक कंपनियों में काम कर रहे ठेका श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा को लेकर निर्देश जारी किए है। इसके तहत बीमा और आवास की सुविधा प्रदान की जाएगी। निर्देश के मुताबिक ठेका कर्मियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व भारतीय डाक दुर्घटना बीमा से जोड़ा जाएगा।

जिन कंपनियों में ठेका कर्मियों को आवास सुविधा नहीं मिल रही है, वहां ठेकेदार के माध्यम से आवास सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया है। श्रमिक शिविरों के निर्माण के लिए आवश्यकतानुसार स्थान उपलब्ध कराने कहा गया है। तीन साल से अधिक समय से रखे गये ठेका मजदूरों को कंपनी का आवास खाली होने पर कंपनी द्वारा तय जमानत जमा व न्यूनतम किराया पर दिया जा सकता है। ठेका श्रमिकों के बच्चों को कंपनी द्वारा वित्त पोषित स्कूलों में नियमित कर्मचारियों की तरह ही रियायती ट्यूशन फीस लगेगी। आईटीआई, एनआईटी, सरकारी मेडिकल, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश पाने वाले ठेका कर्मियों के बच्चों को ट्यूशन फीस में 50 फीसदी सहायता दी जायेगी। ठेका श्रमिकों की पत्नी और 18 वर्ष की आयु तक के बच्चों को अनुबंध अवधि तक कंपनी के अस्पतालों में ओपीडी चिकित्सा सुविधाएं दी जाएंगी। ठेका श्रमिकों को जुआ खेलने, शराब पीने, अंधाधुंध उधार लेने आदि आदतों के दुष्परिणामों के बारे में समय समय पर जागरूक किया जाएगा। ठेका श्रमिकों की पत्नियों के शैक्षिक स्तर को बढ़ाने का प्रयास सीएसआर के तहत किया जाएगा।

# कोरबा नगर निगम आयुक्त ने अपने अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कर जोन कार्यालयों को बनाया सशक्त



**कोरबा** नगर पालिक निगम कोरबा में सुशासन की मजबूती की ओर कदम बढ़ाते हुए अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कर निगम के सभी 07 जोन कार्यालयों को सशक्त, सक्षम व प्रभावी बनाया गया है, जोन कार्यालयों की प्रासांगिकता बढ़ी है, वहीं निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित विभिन्न विभागों के कार्यो में तेजी आई है व कार्यप्रक्रिया सरलीकृत एवं तीव्रगामी हुई है। इसका प्रमुख कारण है कि आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने एक ओर जहॉ अपने जोन स्तर के अधिकार जोन कमिश्नरों को विकेन्द्रित किया, वहीं दूसरी ओर निगम के विभिन्न विभागों के प्रभारी अधिकारियों को अपने निगम आयुक्त के अधिकार प्रत्यायोजित कर विभागों की कार्यप्रक्रिया में गति लाई है, इससे आमजन की समस्याओं के त्वरित निदान का मार्ग प्रशस्त हुआ है, उनकी मुश्किले आसान हुई हैं।

विगत 8-10 माह की अल्प समयावधि में नगर पालिक निगम कोरबा की कार्यप्रणाली में काफी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, एक ओर जहॉ निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित विभागों के कार्यो में गति आई है, वहीं दूसरी ओर अब जोन कार्यालय अधिक सशक्त होकर सक्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। निगम का मैदानी अमला भी रिचार्ज हुआ है तथा उसकी कार्यशैली बदली-बदली नजर आ रही है, मैदानी अमले में उत्साह का संचार हुआ है तथा वे ज्यादा ऊर्जा के साथ कार्य करते नजर आ रहे हैं, और इन सबके पीछे का कारण निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की विशिष्ट कार्यशैली को माना जा रहा हैं। अपनी सकारात्मकता व ऊर्जाशीलता की विशिष्ट पहचान रखने वाले आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सुशासन की मजबूती की ओर कदम बढ़ाते हुए अपने निगम आयुक्त के अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कर एक ओर जहॉ निगम के जोन कार्यालयों को सशक्त व सक्षम बनाया है, वहीं दूसरी ओर निगम के विभिन्न विभागों के अपने अधिकार संबंधित विभागों के प्रभारी अधिकारियों को प्रत्यायोजित किया है, इससे कार्य प्रक्रिया सरलीकृत हुई तथा विभागों के कार्ये में तेजी आई है, वहीं जनसमस्याओं के त्वरित निदान का मार्ग प्रशस्त हुआ, लोगों को जल्दी समाधन मिला व उनकी मुश्किलें आसान हुई हैं। निगम कार्यालय में फाईलों की दौड़ अब कम हुई है तथा विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रक्रिया में तेजी आई है।

महत्वपूर्ण अधिकारों का प्रत्यायोजन

आयुक्त श्री पाण्डेय ने आमजन की सुविधा व कार्यो में तेजी लाने के उद्देश्य से जनता से सीधे जुड़े निगम के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के अपने अधिकार संबंधित विभाग प्रभारियों को प्रत्यायोजित किए। उन्होने भवन निर्माण अनुज्ञा विभाग, भवन भूखण्ड फ्री होल्ड, संपदा विभाग, एन.यू.एल.एम., होर्डिंग्स आदि विभागों के साथ-साथ टेक्निकल ई वेल्यूएशन कमेटी, स्थापना शाखा आदि सहित निगम के अन्य विभागों से जुडे अपने अधिकार संबंधित प्रभारी अधिकारियों को प्रत्यायोजित कर कार्यो को सरलीकृत व तीव्रगामी बनाया है।

जोन कमिश्नर्स हुए अधिकार संपन्न

आमजनता को उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्य, कर व राजस्व वसूली, शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन, पेंशन राशन कार्ड सहित अन्य विविध कार्य निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से सम्पन्न कराए जाते हैं, लोगों की समस्याएं जोन स्तर पर ही त्वरित रूप से सुलझ सकें, उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान हों, इसके लिए जरूरी हैं कि जोन कार्यालयों को सशक्त व प्रभावी बनाया जाए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अपने निगम आयुक्त के जोन स्तर के अधिकार जोन कमिश्नरों को विकेन्द्रित कर उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाया, परिणाम स्वरूप अब वे अधिक सक्षमता व प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं, लोगों की समस्याएं जोन स्तर पर ही निराकृत हो रही हैं तथा उन्हें अपनी समस्याओं को लेकर मुख्य कार्यालय साकेत भवन तक की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है।

आयुक्त श्री पाण्डेय के द्वारा जोन कार्यालयों की प्रासांगिकता बढ़ाने व उन्हें विशिष्ट पहचान देने प्रेरणास्पद नामों से उनका नामकरण किया गया है। निगम के कोरबा जोन क्रमांक 01 को ष्सक्षमष, टी.पी. नगर जोन क्रमांक 02 को ष्संकल्पष, कोसाबाड़ी जोन क्रमांक 03 को ष्समर्थष, पं. रविशंकर नगर जोन क्रमांक 04 को ष्सृजनष, बालको जोन क्रमांक 05 को ष्समर्पणष, दर्री जोन क्रमांक 06 को ष्सेवार्थष् तथा सर्वमंगला जोन क्रमांक 07 को ष्सुकृतष् नाम दिया गया है। इसके साथ ही जोन कार्यालयों की व्यवस्थाओं में बेहतर बदलाव किए गए हैं, जोन कार्यालय पहुंचने वाले नागरिकों के बैठने व उनके लिए पेयजल की व्यवस्था, शिकायत पंजी काउंटर, नागरिकों से सम्मानजनक व्यवहार एवं उनकी समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण निराकरण आदि के संबंध में आयुक्त ने कड़े व प्रभावी दिशा निर्देश जोन कमिश्नरों को दिए हैं।

### अस्पताल के बायोमेडिकल वेस्ट ने बिगाड़ी खेतों की दशा, जन स्वास्थ्य और कृषि पर बुरा असर

**0 अपशिष्ट निस्तारण में अनदेखी, हो कार्रवाई**

कोरबा, कटघोरा विकासखंड के ग्राम हुंकरा की पहाड़ी किसानों के लिए नई परेशानी का कारण बन गई है। जानकारी के अनुसार यहां पर निजी हास्पिटल प्रबंधन के द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट खुलेआम फेंका जा रहा है। इसके दुष्प्रभाव की जानकारी होने पर भी प्रबंधन मुंह फेर रहा है। उसे इस बात से मतलब नहीं कि जन स्वास्थ्य और कृषि पर इसके क्या बुरे असर हो सकते हैं। और तो और सरकारी तंत्र जान-बूझकर मामले में हाथ डालने से बच रहा है। इस इलाके के किसानों का कहना है कि इस कचरे से उनकी फसलें खराब हो रही हैं। खेत में काम करते समय अक्सर पैरों में टूटी शीशियां और सुई चुभ जाने का खतरा बना रहता है। किसानों ने बताया कि कई बार अस्पताल प्रबंधन से इस पर आपत्ति जताई गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब तो अस्पताल के कर्मचारी रात में चोरी-छिपे कचरा फेंकने आने लगे हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि पूरे पहाड़ी इलाके को अस्पताल का डंपिंग यार्ड बना दिया गया है। जहां-जहां जगह मिल रही है, वहां अपशिष्ट सामग्री फेंकी जा रही है। बरसात में यह जहरीला कचरा बहकर खेतों में पहुंच रहा है।

## ओसाका इन्वेस्टर कनेक्ट : छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग-अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (B2G) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय ने मोराबु हँशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर श्री नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की। यह कंपनी कुशल इंजीनियरों, सिस्टम डेवलपमेंट और वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी है। बैठक में कौशल प्रशिक्षण और वर्कफोर्स एक्सचेंज के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा और राज्य का कौशल तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रचुर खनिज संपदा, सक्रिय सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, विश्वस्तरीय औद्योगिक ढाँचा और वैश्विक निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य में किए जा रहे सुधारों और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जापानी प्रतिनिधियों ने सराहना की।

## सात दिवसीय मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

**कवर्धा।** कृषि विज्ञान केन्द्र में 18 से 24 अगस्त 2025 तक 7 दिवसीय मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यशाला में कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवो से 25 कृषकों का चयन किया गया। प्रशिक्षण में ग्राम चिमरा, नेवारी, झलमला, पौनी, तिलईभाट, झीरबांधा, खुर्सीपार एवं रमपुरा के कृषकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर राज्य के अलग-अलग केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर जैसे मधुमक्खी के प्रकार, फुल प्रबंधन एवं रख-रखाव, विभिन्न उपकरण, स्थान का चयन, शहद निष्काशन विधि, बाजार विक्रय मांग एवं पैकेजिंग के साथ-साथ कृषकों को शहद प्रसंस्करण केन्द्र, बोड़ला एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण के अंत में 25 प्रशिक्षणार्थियों को मुख्यअतिथि डा. ऋचा मिश्रा, प्राचार्य, आचार्य गृंथ मुनि नाम साहब स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा, डा. असीत कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय, कवर्धा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डा. बी.पी. त्रिपाठी द्वारा प्रमाण पत्र वितरण कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डा. बी. पी. त्रिपाठी, प्रशिक्षण समन्वयक डा. एन. सी. बंजारा, विषय वस्तु विशेषज्ञ, उद्यानिकी, उपस्थित थे।

## दुर्गवासियों को बड़ी सौगात - महाराजा चैक से बोरसी तक फोरलेन

**रायपुर।** दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में एक और फोरलेन सड़क बनाने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दुर्गवासियों को सौगात दी है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रयास से 2024-25 के बजट में स्वीकृत कार्य को प्रारंभ करने शासन ने 23.96 करोड़ की राशि की स्वीकृति मिली है।

महाराजा चैक से बोरसी तक 1.80 किलोमीटर सड़क चैड़ीकरण के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट आदि को भी दुरूस्त किया जाएगा। इस सड़क के चैड़ीकरण होने से यहां से गुजरने वाले हजारों वाहनों का यातायात सुगम होगा। वहीं शहर के भीतरी क्षेत्र में लंबे समय से बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने में उपयोगी होगा। उतई और पाटन क्षेत्र के रहवासियों को भी इस सड़क चैड़ीकरण से राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि क्षेत्र के नागरिक इस सड़क के चैड़ीकरण की मांग बरसों से कर रहे थे, उनकी लंबित मांग को प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने गंभीरता से लिया और इंजीनियरों की टीम के साथ मौके का निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार कराया और 23.96 करोड़ रुपये की स्वीकृति दिलाई। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर के सतत विकास और नागरिकों की सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। महाराजा चैक से बोरसी मार्ग का फोरलेन कार्य पूरा होने के बाद यहां ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों का समय बचेगा। इससे न केवल दुर्ग शहर के नागरिकों को राहत मिलेगी बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को भी सुगम यातायात का लाभ प्राप्त होगा।

# राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, खेलों के लिए बुनियादी ढांचा होगा सुदृढ़, धमतरी और कुरूद को मल्टीपर्पज इंडोर स्पोर्ट्स की सौगात

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बार फिर खेल सुविधाओं में इजाफा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में धमतरी और कुरूद में इंडोर बैडमिंटन हॉल / मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण पहल कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 से 3 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि देने की योजना सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। यह पहल न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को ऊँचा करती है बल्कि आने वाली नई पीढ़ी को भी खेलों की ओर प्रेरित करती है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत मैदानों का उन्नयन, उच्च स्तरीय उपकरणों की उपलब्धता, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता और पारंपरिक खेलों के आयोजन जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टर धमतरी ने बताया कि जिले के धमतरी और कुरूद में इंडोर बैडमिंटन हॉल / मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स हॉल के प्रोजेक्ट के लिए लगभग 5-5 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यहां खिलाड़ियों के लिए विभिन्न इनडोर खेलों की आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिनमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, लूडो एवं साँप-सीढ़ी, डार्ट बोर्ड, स्नूकर, तीरंदाजी, योग कक्ष, स्क्वॉश, बास्केटबॉल, पिकलबॉल प्रमुख हैं। सबसे अहम यह है कि इन खेलों के लिए आवश्यक उपकरण और संरचनाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगी।

इतना ही नहीं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में न केवल खेल सुविधाएं बल्कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। इनमें खिलाड़ियों के आराम और तैयारी के लिए प्लेयर रूम, दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए सुव्यवस्थित स्पोर्ट्स हॉल वेटिंग एरिया, आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के लिए फर्स्ट एड रूम, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग शौचालय शामिल हैं। इन प्रावधानों से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

धमतरी और कुरूद के आसपास के क्षेत्रों में अनेक युवा खेलों में सक्रिय हैं, लेकिन पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र न होने के कारण वे अपनी प्रतिभा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक नहीं पहुँचा पाते। इन इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सों के निर्माण से स्थानीय खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिलेगा और वे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे।धमतरी और कुरूद के मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेल के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगे। आने वाले समय में धमतरी और कुरूद के खिलाड़ी न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

## प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आगामी जापान यात्रा से और मजबूत होंगे भारत-जापान संबंध : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की आगामी यात्रा और ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में छत्तीसगढ़ की सहभागिता पर कहा कि "हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बहुत जल्द जापान आ रहे हैं। भारत और जापान की मित्रता ऐतिहासिक और गहरी है। उनके इस दौरे से यह संबंध और भी मजबूत होंगे और हमारे देश को अनेक लाभ प्राप्त होंगे।"उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की यात्रा भारत और जापान के बीच तकनीकी, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को और प्रगाढ़ बनाएगी। इससे दोनों देशों की जनता को लाभ होगा और साझा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो 2025 के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि "कल हमने छत्तीसगढ़ को समर्पित सप्ताह का शुभारंभ किया है।

## सूने मकान से हजारों रुपए के जेवर पार

**रायपुर।** सत्यम विहार कालोनी रायपुरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने हजारों रुपए के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थिया निशा ठाकुर 28 वर्ष सत्यम विहार कालोनी रायपुरा की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 70 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

## सूने मकान से नकदी सहित हजारों रुपए के जेवर पार

**रायपुर।** ऑफिसर कालोनी धरमपुरा स्थित सूने मकान से अज्ञात चोर ने नकदी 30 हजार सहित बाइक और अन्य सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ललित कुमार सिंह 36 वर्ष ऑफिसर कालोनी धरमपुरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 30 हजार, 1 नग टुल्लू पंप और पोर्च में खड़ी बाइक पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

## सीएम विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

**राज्य में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा होगी स्थापित: कृषि मूल्य श्रृंखला और रोजगार को मिलेगा नया आयाम**

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएँ आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएँगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प से साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

## केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में शामिल हुए : उप मुख्यमंत्री

**रायपुर।** केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की समीक्षा कीकेन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की समीक्षा की उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव आज केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की राज्यवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय के साथ बैठक में शामिल हुए।

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने बैठक में शहरी स्वच्छता के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में लक्षित स्वच्छता इकाईयों (Cleanliness Target Units) के चिन्हांकन एवं निराकरण को वर्षभर की गतिविधि के रूप में लागू करने तथा इस साल (2025) के 'स्वच्छता ही सेवा' (SHS) अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में स्वच्छ शहर जोड़ी (SSJ) के संचालनात्मक दिशा-निर्देशों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में स्वच्छता के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार, केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में नगरीय विकास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने राज्य सरकार ने व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। श्री साव ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज व्यवस्था और स्वच्छता सेवाओं के डिजिटलीकरण जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने राज्य के प्रमुख शहरी निकायों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और जनसहभागिता आधारित कार्यक्रमों की भी जानकारी साझा की। श्री साव ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

# फुटपाथों, चौराहों और सार्वजनिक खुले स्थानों पर पंडाल या अस्थाई संरचनाओं के निर्माण की अनुमति के लिए शासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

**नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी निगम आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जारी किया परिपत्र**

**रायपुर।** राज्य शासन ने सार्वजनिक खुले मैदानों, सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों, चौराहों, सार्वजनिक खुले स्थानों आदि पर पंडाल या अस्थाई संरचनाओं के निर्माण की अनुमति के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में मंत्रालय से सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को परिपत्र जारी किया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगरीय निकायों को भेजे परिपत्र में कहा है कि राज्य के नगरीय क्षेत्रों में स्थित सार्वजनिक खुले मैदानों, सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों, चौराहों, सार्वजनिक खुले स्थानों आदि पर पंडाल या अस्थाई संरचनाओं के निर्माण की अनुमति के संबंध में सड़कों में बाधा के प्रतिषेध हेतु आवश्यक प्रावधान किए जाने का निर्णय लिया गया है। विभाग ने सभी निकायों को परिपत्र में उल्लेखित दिशा-निर्देशों के अनुसार समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने



एक समय में अधिकतम 500 व्यक्तियों तक के ठहराव एवं 5000 वर्गफीट के स्थान वाले आयोजनों तथा एक समय में 500 से अधिक व्यक्तियों तक के ठहराव एवं 5000 वर्गफीट से अधिक के स्थान वाले आयोजनों के लिए पंडालों, अस्थाई संरचनाओं, धरना, जुलूस, सभा, रैली इत्यादि की अनुमति के लिए अलग-अलग दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने नगरीय निकायों को अलग-अलग तरह की अनुमति के लिए आवेदनों के अलग-अलग प्रारूप भी परिपत्र के साथ प्रेषित किए हैं। विभाग ने आयोजनों के लिए अनुमति की प्रक्रिया, अनुमति हेतु शुल्क, पंडालों, अस्थाई संरचनाओं, धरना, जुलूस, सभा, रैली और शोभायात्राओं की अनुमति के लिए आपातकालीन एवं सामान्य निर्देशों के साथ ही पंडालों की मजबूती, विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन, सुरक्षा, साफसफाई, अपशिष्ट प्रबंधन, आयोजन समिति

## एक माह में हुआ त्वरित निराकरण, विपत्तिग्रस्त परिजनों को मिली 4-4 लाख की आर्थिक सहायता

**कवर्धा।** कबीरधाम जिले के तहसील सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम अचानकपुर में एक माह पूर्व घटित दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस दुखद घटना से पीड़ित परिजनों को राज्य सरकार की संवेदनशीलता और त्वरित प्रशासनिक कार्यवाही के तहत आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा द्वारा प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के अंतर्गत प्रत्येक पीड़ित परिवार को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। भुगतान की अनुमति मिलते ही आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सहसपुर लोहारा श्रीमती शिल्पा देवांगन ने स्वीकृति पत्र परिजनों को प्रदान किया।आर्थिक सहायता प्राप्त करने वालों में स्वर्गीय आशु धुर्वे (उम्र 6 वर्ष) की माता श्रीमती शिवबती पति राजू धुर्वे, निवासी ग्राम अचानकपुर और स्वर्गीय भारत कुमार साहू (उम्र 12 वर्ष) के पिता श्री थानूराम साहू पिता विष्णु साहू, निवासी ग्राम अचानकपुर है।इस अवसर पर तहसीलदार सहसपुर लोहारा श्री विवेक गोहिया, नायब तहसीलदार श्री नागेश ताजय एवं श्री हुलेश्वर कुमार पटेल भी उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि इस दर्दनाक घटना की जानकारी उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने स्वयं संज्ञान में लेकर तत्काल कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा को प्रकरण का त्वरित निराकरण करने तथा पीड़ित परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर श्री वर्मा की तत्परता से महज एक माह के भीतर प्रकरण का निराकरण कर सहायता राशि परिजनों को उपलब्ध करा दी गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि इससे पीड़ित परिवारों को कठिन समय में संबल मिलेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)